इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 43 अंक -54 राजनांदगांव, मंगलवार 09 जनवरी 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

बिलकिस बानो के दोषी फिर जाएंगे जेल, सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार का फैसला पलटा

नई दिल्ली। बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले और 2002 के गुजरात दंगों के दौरान उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के 11 दोषियों की सजा में छूट को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दोषियों को समय से पहले रिहा करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार का फैसला पलटा

सोमवार को इस मामले में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की विशेष पीठ ने फैसला सुनाया। याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सभी दोषियों की सजा में मिली छूट को रद्द कर दिया। गुजरात सरकार ने पिछले साल मामले में 11 दोषियों को रिहा किया था। अब कोर्ट के फैसले के बाद सभी 11 दोषियों को वापस जेल जाना होगा। पीठ ने गुजरात सरकार के फैसले को पलटते हुए कहा कि गुजरात राज्य द्वारा शक्ति का प्रयोग सत्ता पर कब्जा और सत्ता के दुरुपयोग का एक उदाहरण है।

बिलकिस बानो के साथ दुष्कर्म हुआ था और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई थी

दो सप्ताह के भीतर जेल अधिकारियों को रिपोर्ट करने का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने सभी 11 दोषियों को दो सप्ताह के भीतर जेल अधिकारियों को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। साथ ही पीठ ने कहा कि यह इस अदालत का कर्तव्य है कि वह मनमाने आदेशों को जल्द से जल्द सही करे और जनता के विश्वास की नींव को बरकरार रखे। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

गुजरात सरकार को लेकर कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्लेटो ने कहा था कि सजा प्रतिशोध के लिए नहीं, बल्कि सुधार के लिए है। क्यूरेटिव थ्योरी केस में सजा की तुलना दवा से की जाती है, अगर किसी अपराधी का इलाज संभव है, तो उसे मुक्त कर दिया जाना चाहिए। यह सुधारात्मक सिद्धांत का आधार है। लेकिन पीड़ित के अधिकार भी महत्वपूर्ण हैं। नारी सम्मान की पात्र है। क्या महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों में छूट दी जा सकती है? ये वो मुद्दे हैं जो उठते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'हम योग्यता और स्थिरता दोनों के आधार पर रिट याचिकाओं पर विचार करने के लिए आगे बढ़ते हैं।

पीएम मोदी ने कहा- कुछ लोग महुआ का दूसरा उपयोग करते हैं, फिर कांकेर की भूमिका ने दिया अनोखा जवाब

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जा रहे शिविरों में योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी। इस दौरान उत्तर बस्तर कांकेर जिले के हितग्राहियों से वर्चुअली बातचीत की। प्रधानमंत्री ने पूछा कि कौन सी ऐसी योजना है, जिससे आपने सबसे अधिक लाभ उठाया है।

इस पर एक हितग्राही ने कहा कि वनधन योजना का लाभ उठाया है। हम महुआ से लड्डू बना रही हैं। साथ ही आंवला का अचार भी बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने पूछा कि इसे किस तरह से बेचते हैं। इस पर कांकेर के भानुप्रतापपुर के भानबेड़ा की हितग्राही भूमिका भूआर्य ने बताया कि संजीवनी के माध्यम से इसकी बिक्री होती है। 700 रुपए प्रति किलो लड्डू बेचते हैं, यह स्वास्थ के लिए बेहतर होता है। इस पर पीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि कुछ लोग तो महुआ का दूसरा उपयोग करते हैं। इस पर भूमिका ने तपाक से मुस्कुराते हुए कहा कि इसलिए ही तो हम इसके लड्डू बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने भूमिका को शाबासी दी। उन्होंने कहा कि अब महुआ से आजीविका भी आ रही है और स्वास्थ्य के लाभ भी हासिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप जैसे जागरूक लोगों की वजह से हमारा आदिवासी समाज बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे विशेष रूप से यह अच्छा लगा कि बिना किसी अड़चन के आप लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से यह अच्छा लगा कि वनधन केंद्र आप जैसे जागरूक नागरिकों की वजह से बहुत अच्छे चल रहे हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में चल रही कई योजनाएं

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम मनकेसरी में आयोजित शिविर में योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित करते पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में निवासरत लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने कई योजनाएं बनाई गई हैं। सरकार आम लोगों के विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्हें प्रसन्नता है कि उनकी सरकार को (शेष पृष्ठ 6 पर...)

बांग्लादेश : शेख हसीना पांचवीं बार बनेंगी पीएम, विपक्ष के बहिष्कार के बीच मिला दो तिहाई बहुमत

ढाका। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगातार चौथा कार्यकाल हासिल कर लिया है। हालांकि, हसीना पांचवीं बार पीएम बनेंगी। रविवार को छिटपुट हिंसा और मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनालिस्ट पार्टी (बीएनपी) व उसके सहयोगियों के बहिष्कार के बीच हुए 12वें आम चुनावों में हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 200 सीटों पर जीत हासिल कर दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। विपक्षी जातीय पार्टी 10 और निर्दलीय 45 सीटों पर विजयी हुए हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी ने जीत हासिल की

अपनी सीट से आठवीं बार जीतीं हसीना

हसीना ने गोपालगंज-3 सीट से 1986 के बाद आठवीं बार जीत हासिल की। उन्हें 2,49,965 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी बांग्लादेश सुप्रीम पार्टी के उम्मीदवार एम. निजामुद्दीन लश्कर को सिर्फ 469 वोट ही प्राप्त हुए। 76 वर्षीय हसीना वर्ष 2009 से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं और वह इस एकतरफा चुनाव में लगातार चौथी बार और कुल पांचवी बार कार्यकाल हासिल करने जा रही हैं। 300 सदस्यों वाली संसद की 299 सीटों पर रविवार को मतदान हुआ। एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण एक सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया। इन चुनावों में 27 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया जिनमें विपक्षी जातीय पार्टी भी शामिल है। जातीय पार्टी के अलावा चुनाव में हिस्सा लेने वाली बाकी पार्टियां अवामी लीग के गठबंधन की सदस्य हैं। जातीय पार्टी के अध्यक्ष जीएम कादर रंगपुर-3 सीट से विजयी हुए हैं। अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर ने दावा किया कि लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल का 89 उम्र में निधन, 3 माह से अस्पताल में थे भर्ती

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के 89 वर्षीय पिता नंद कुमार बघेल का आज 8 जनवरी 2024 दिन सोमवार को सुबह 6 बजे निधन हो गया। नंदकुमार बघेल पिछले 3 माह से राजधानी रायपुर के श्रीबालाजी हॉस्पिटल में भर्ती थे। श्रीबालाजी हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. दीपक जायसवाल ने बताया कि नंद कुमार बघेल लंबे समय से अस्वस्थ थे, और कमजोर थे। उन्होंने आज आखिरी सांसें ली।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक्स हैंडल पर पोस्ट में यह जानकारी साझा की। पूर्व सीएम बघेल ने लिखा, दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि बाबूजी श्री नंद कुमार बघेल जी का आज सुबह निधन हो गया है। अभी पार्थिव शरीर को पाटन सदन में रखा गया है। मेरी छोटी बहन के विदेश से लौटने के बाद अंतिम संस्कार 10 जनवरी को हमारे गृह ग्राम कुरुदडीह में होगा। दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि बाबूजी श्री नंद कुमार बघेल जी का आज सुबह निधन हो गया है. अभी पार्थिव शरीर को पाटन सदन में रखा गया है। मेरी छोटी बहन के विदेश से लौटने के बाद अंतिम संस्कार 10 जनवरी को हमारे गृह ग्राम कुरुदडीह में होगा। उनके पार्थिव शरीर को गृहग्राम पाटन के शांतिनगर में रखा जायेगा। फिलहाल भूपेश बघेल दिल्ली में हैं। दोपहर 1.20 बजे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल्ली से रायपुर आ गये।

मुख्यमंत्री साय ने नंदकुमार बघेल के निधन पर जताया शोक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया हैद्य उन्होंने मृत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवारजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना ईश्वर से की है।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में लिखा, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के पिता श्री नंदकुमार बघेल जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस असीम दुख को सहने की शक्ति दे।

बतादें कि पिछले साल नवंबर माह में तबीयत खराब होने पर नंद कुमार बघेल को अस्पताल में भर्ती किया गया था। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व सीएम बघेल ने पिता के अस्वस्थ होने की जानकारी एक्स हैंडल पर दी थी।

भाजपा राज में छत्तीसगढ़ बन गया है अपराध गढ़ - दीपक बैज

रायपुर (दावा)। प्रदेश में बढ़ चुकी आपराधिक घटनाओं पर कांग्रेस ने गहरी चिंता व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा राज के एक माह में ही छत्तीसगढ़ अपराध गढ़ बन गया है। राजधानी रायपुर से लेकर बस्तर तक लगातार हत्या, लूट, चाकूबाजी की घटनाएं हो रही हैं। राजधानी में सरेआम चाकू मारकर युवक की हत्या कर दी गई। एक दूसरी घटना में राजधानी में ही अपराधियों ने दौड़ा- दौड़ाकर युवक की हत्या कर दी। जोरा में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। कांकेर के पखांजुर में भाजपा नेता असीम राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रदेश के हर शहर में चाकूबाजी, लूट की वारदातें आम हो गई हैं। सरकार बदलते ही ऐसा लगने लगा है जैसे कानून का राज समाप्त हो गया है।

० रायपुर से बस्तर तक हत्या, लूट की घटनाएं चिंताजनक
० सरकार बदलते ही खत्म हो गया है कानून का राज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बेहद ही दुर्भाग्यजनक है कि भाजपा की सरकार को बने अभी एक महिना नहीं हुआ है और प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। बेलगाम अपराधी सरेआम लोगों की हत्याएं कर रहे हैं, गोलियां चल रही हैं। प्रदेश में एकबार फिर वहीं आतंक का दौर वापस आ गया है, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आम चुनाव के लिए युवाओं को तैयार कर रही कांग्रेस, 11 को छत्तीसगढ़ आएंगे प्रभारी सचिन पायलट

रायपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसके लिए कांग्रेस की युवा मोर्चा ने भी अभी से कमर कस ली है। युवा मोर्चा ने इसके लिए पूरी रूपरेखा तय कर ली है। इधर, नए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के 11 जनवरी को दौरे पर आने की संभावना जताई जा रही है।

प्रदेश प्रभारी बनने के बाद सचिन का यह पहला दौरा होगा। वह पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और संगठन की पूरी जानकारी लेंगे। दिल्ली दौरे से लौटे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि नए प्रभारी आएंगे, जिनका मार्गदर्शन लिया जाएगा। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी दिल्ली में गुरुवार को उनसे मुलाकात की थी। राहुल गांधी की न्याय यात्रा भी प्रदेश से गुजरेगी। प्रदेश के नेताओं के साथ होने वाली बैठक में इन विषयों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस में अंतर्कलह चरम पर है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी को खड़ा करना सचिन पायलट के लिए बड़ी चुनौती होगी। युवाओं को साधने के लिए सचिन पायलट को प्रदेश की जिम्मेदारी मिली है। सचिन पायलट की प्रदेश युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ भी चर्चा होगी।

प्रदेश युवा कांग्रेस की राजीव भवन में लगातार दो दिन तक बैठक हुई है, जिसमें लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है। वर्ष-2024 के चुनाव के लिए युवा कांग्रेस बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में हैं। इसके साथ ही युवा कांग्रेस ने आइवाइसी एप्लीकेशन भी तैयार किया है। इससे नए मतदाताओं को पार्टी के साथ जोड़ा जाएगा। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

श्री डूंगरपुर सीट पर कांग्रेस जीती, बीजेपी के सुरेन्द्रपाल हारे, मंत्री पद पर आया संकट

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने धमाकेदार जीत दर्ज कराई है, यहां कांग्रेस प्रत्याशी रूपेन्द्र सिंह कुन्नर ने बीजेपी प्रत्याशी सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी को 11 हजार से अधिक मतों से चुनाव हरा दिया है।

बीजेपी ने इस सीट को जीतने के लिए चुनाव से पहले ही अपने प्रत्याशी सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी को मंत्री पद से नवाज दिया था। रूपेन्द्र सिंह पहली बार विधायक बने हैं, कांग्रेस ने इसे जनता की जीत करार दिया है। सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी की हार के बाद अब उनके मंत्री पद संकट आना तय है, जीत की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने उनके पिता गुरमीत सिंह कुन्नर को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन मतदान से पहले ही बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। इसके चलते वहां चुनाव टाल दिए गए थे, इससे पहले यह सीट कांग्रेस के ही कब्जे में थी और गुरमीत सिंह यहां से विधायक थे। उसके बाद कांग्रेस ने सहानुभूति का कार्ड खेलते हुए गुरमीत सिंह कुन्नर के बेटे रूपेन्द्र सिंह को वहां अपना प्रत्याशी बनाया था। इस सीट के लिए 5 जनवरी को मतदान हुआ था, कांग्रेस का सहानुभूति का कार्ड का सफल हो गया और वह अपनी सीट को कायम रखने में कामयाब हो गई।

श्रीकरणपुर में कांग्रेस की इस जीत पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि श्रीकरणपुर में कांग्रेस प्रत्याशी रुपिन्दर सिंह कुन्नर को जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं, यह जीत स्व. गुरमीत सिंह कुन्नर (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कोल घोटाले में जेल में बंद रानू साहू की जमानत याचिका पर H C में बहस पूरी, कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में हुए कोल घोटाले केस में जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गई है। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसले को रिजर्व रख लिया है। मामले की सुनवाई जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच में हुई। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने रानू साहू को इसी साल जुलाई में हिरासत में लिया था, तब से वह जेल में ही बंद है। ईडी की ओर से रानू साहू पर कथित कोयला घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

श्रीराम मंदिर निर्माण और मोदी की गारंटी थीम पर है छत्तीसगढ़ सरकार का कैलेंडर, श्री राजीव लोचन, बस्तर दशहरा की तस्वीरें शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज यहां राज्य अतिथि गृह (पहुना) में वर्ष 2024 के शासकीय कैलेंडर का विमोचन किया। सुशासन का सूर्योदय थीम पर आधारित इस कैलेंडर के मुख्य पृष्ठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की फोटो है। जनवरी माह में प्रभु श्रीराम के चित्र के साथ भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुनः प्रतिष्ठा के संकल्पना लिए अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर को दर्शाया गया है।

फरवरी माह में राजिम के त्रिवेणी संगम पर भगवान श्री राजीव लोचन का धाम, मार्च माह में महतारी वंदन योजना, अप्रैल माह में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 18 लाख पात्र परिवारों को अपना घर दिलाने का संकल्प दर्शाया गया है।

कैलेंडर के मई माह में श्रमिकों को सशक्त बनाती मोदी की गारंटी, जून माह में आदिवासियों का हरा सोना तेंदूपत्ता पर 10 हजार रुपये प्रति मानक बोरा के लिए मोदी की गारंटी, जुलाई माह में 'रानी दुर्गावती योजना' के तहत बीपीएल परिवार में बालिका के जन्म पर 1 लाख 50 हजार रुपये का गारंटी पत्र, अगस्त माह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति तथा सितंबर माह में पीएम विश्वकर्मा योजना को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

अक्टूबर माह में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात बस्तर दशहरा, नवंबर माह में मोदी की गारंटी के रूप में 3100 रुपये में और प्रति एक? 21 क्विंटल धान की ऐतिहासिक खरीदी और दिसंबर माह में सत्य के प्रतीक भव्य जैतखाम (गिरौदपुरी धाम) को नमन किया गया है।

शासकीय कैलेण्डर 2024 के विमोचन के इस खास मौके पर उपमुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद और आयुक्त जनसंपर्क मयंक श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

उद्यानिकी विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की भर्ती में गड़बड़ी, कृषि मंत्री नेताम ने रोकी प्रक्रिया, जांच कमेटी का किया गठन

रायपुर। प्रदेश के महात्मा गांधी उद्यानिकी व वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा (पाटन) में 35 पदों पर सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। छात्र-छात्राओं की शिकायत पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भर्ती प्रक्रिया को रोकने निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने तीन सदस्यीय समिति गठित कर सात दिनों के भीतर जांच पूरा करने को कहा है। मामले में विश्वविद्यालय के कुलपति ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार करते हुए कहा कि किसी के कार्यकर्ता का चयन नहीं होगा तो उसके लिए नियम नहीं बना सकते हैं। वहीं मंत्री कह रहे हैं कि जो भी गड़बड़ी की है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

बता दें कि कांग्रेस की सरकार में यहां भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। बताया जाता है कि भर्ती की प्रक्रिया में मनमानी तरीके से दोषपूर्ण और नियम विरूद्ध प्रक्रिया की जा रही थी। इतना ही नहीं, भर्ती के लिए गठित प्रबंध मंडल में भी अनियमितता की शिकायत छात्र-छात्राओं ने कृषि मंत्री से की थी। प्रबंध मंडल में नामांकित व्यक्ति और विशेषज्ञ विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप नहीं थे। मामले को संज्ञान लेते हुए मंत्री ने नियुक्ति प्रक्रिया को स्थगित कर दी है।

इस तरह की गई गड़बड़ी

बताया जाता है कि सहायक प्राध्यापक के 35 पदों की भर्ती के लिए तैयार किए गए स्कोर कार्ड में भारी गड़बड़ी की शिकायत आई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की गाइड लाइन के अनुसार पीएचडी और नेट की परीक्षा के लिए पृथक-पृथक अंक देना था, जो कि नहीं किया गया था। इस कारण बड़ी संख्या में पीएचडी उम्मीदवार उपलब्ध होते हुए भी गैर पीएचडीधारी अभ्यर्थियों का चयन और नियुक्ति की गई थी।

कुलसचिव के खिलाफ भी शिकायत

विद्यार्थियों ने शिकायत में कहा कि सहायक प्राध्यापक की चयन समिति के गठन में भी दोषपूर्ण प्रक्रिया अपनाई गई थी। विश्वविद्यालय की चयन समिति में कुलसचिव द्वारा साक्षात्कार के अंक दिए गए थे, परंतु कुछ अभ्यर्थियों के चयन में कुलसचिव को अंक देने से रोक दिया गया था। बता दें कि वर्तमान में कुलसचिव डा. आरएल खरे और कुलपति डा. आरएस कुरील हैं।

जन्मो के पाप धूल जाएंगे.... राम आएंगे की धूम

- शहर सहित गांव-देहात क्षेत्रों में प्रभात फेरी व रामधुनि की बहार
- घर-घर जाकर दिए जा रहे अक्षत का आमंत्रण

राजनांदगांव (दावा)। इन दिनों पूरे देश के नगरों व गांव-गली कस्बों में श्री राम नाम की धूम मची हुई है। अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को भगवान श्री राम के भव्य मंदिर में होने वाले श्री राम लल्ला की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम के लिए पूरे देश भर में उत्साह व उल्लास का वातावरण बना हुआ है। इस उत्साह-उल्लास के वातावरण में श्रीराम भक्ति के गीत मेरे जन्मों पा धुल जाएंगे... राम आएंगे जैसे गीत लोगों को श्रीराम मय होने के लिए प्रेरित कर रहा है।

इसी तरह राम भक्ति से सम्बंधित कई गीत ट्रेण्ड कर रहे है। जिससे वातावरण धर्ममय बना हुआ है। बता दे कि इस पवित्र दिन पर भगवान श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा दर्शन के लिए वरिष्ठ एवं गणमान्य जनों को आमंत्रण दिया जा रहा है। वही पूरे देश भर के गांव शहर कस्थो में अक्षत यात्रा के माध्यम से घर-घर जाकर आमंत्रित किया जा रहा है। इसके अलावा सबेरे से प्रभात फेरिया निकाली जा रही है तथा बाजे-गाजे के साथ रामधुन का गान कियाा जा कर धार्मिक वातावरण का निर्माण किया जा रहा है।

पुराना ढाबा में प्रभात फेरी

शहर के पुराना ढाबा वार्ड नं. 4 में श्री भोला सेवा मानस मंडली द्वारा पूरे वार्ड भर में प्रातः काल प्रभात फेरी निकाल कर श्री राम धुन का गायन किया जा रहा है। वादय वृन्द के साथ गाते बजाते चल रहे मानस समिति के लोगों को वार्ड के लोगों का अच्छी सराहना मिल रही है। मानस समिति के उस्ताद कमलेश साहू, उमेश साहू, महेन्द्र, हीरा राम देवांगन, निर्मलकर, कृष्णा निषाद आदि ने बताया कि लोगों को रामधुनि सुनाकर उन्हें अयोध्या में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपने-अपने घरो में 11 दीप जलाने व भगवान श्री राम लला जी का पूजा आरती करने के लिए निवेदन किया जा रहा है।

इसी तरह मोतीपुर बस्ती में गायत्री मानस मंडली गणेश पारा द्वारा बाजे-गाजे के रामधुन गाई जा रही है तथा घर-घर पहुंच कर श्री अयोध्या धाम के भव्य मंदिर का चित्र अक्षत एवं आमंत्रण पत्र भेंट किया जा रहा है। इसी तरह अक्षत वितरण गृह सम्पर्क अभियान के तहत 'राम काज कीन्हे बिनु... मोती कही' विश्राम के तर्ज में श्री राम दूतो के द्वारा रामाधीन मार्ग, भरका पारा व अन्य स्थानों के घर-घर में जाकर नेवता दिया जा रहा है। लोगों को एक लाल थैली में अक्षत भेंटकर अयोध्या में होने वाली श्री राम जन्म भूमि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हेतु निमंत्रण दिया जा रहा है और 22 जनवरी को घरों में भक्ति मय वातावरण के बीच दीप प्रज्वलन कर इस उत्सव को भव्यता के साथ मनाने का आग्रह किा जा रहा है।

गुमटी हटाए जाने से पीड़ितों ने इच्छा मृत्यु की मांग

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन... जनदर्शन में डॉ. रमन सिंह से भी लगाई है गुहार

राजनांदगांव (दावा)। मेडिकल हास्पिटल परिसर पेंड्री में गुमटी लगाकर होटल-चाय-पान आदि का व्यवसाय करने वाले पीड़ित परिवारों ने उन्हें वहां से बेदखल किए जाने से बेजार होकर इच्छा मृत्यु की मांग की है। इस संबंध में पीड़ितजनों द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। इसके पहले इन पीड़ितजनों ने विधायक एवं छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विधायक कार्यालय में लगाए गए जन दर्शन में ज्ञापन सौंपी थी तथा डॉ. सिंह से मेडिकल कॉलेज हास्पिटल परिसर में पुनः उन्हें व्यवस्थापन जाने की मांग की थी।

किन्तु इस दिशा में किसी प्रकार कार्यवाही न होते देख सब तरफ से निराश होकर कलेक्टर संजय अग्रवाल के समक्ष ज्ञापन सौंपकर उन्होंने इच्छा मृत्यु की मांग की है। पीड़ितों में से एक मुन्नी बाई परिहार ने कहा कि उनके पति की मौत हो चुकी है। इसके बाद भी 60 वर्ष उम्र में अपना पेट व परिवार को पालने के लिए मेडिकल कालेज परिसर में टपरी लगाकर होटल, पान ठेला आदि का व्यवसाय कर रही थी। इसके पहले पुराना जिला हास्पिटल के रोड किनारे छोटा सा होटल लगाकर अपने बेटे बहु व उसके दो नाबालिग बच्चे का पेट पाल रही थी। लेकिन यहां से भी उन्हें हटा दिया गया। इसके बाद मेडिकल कालेज हास्पिटल के समीप छोटा सा कपड़ा दुकान चला रही है थी किन्तु वहां से भी उन्हें बेदखल कर दिया गया। यही नहीं निगम द्वारा उनका ठेला भी जब्त कर लिया गया। इससे वे बेरोजगार हो गई है। इसके कारण उनके परिवार के समक्ष भूखे मरने की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पीड़िता का कहना है कि उनका पुत्र नरेन्द्र परिहार मानसिक रूप से अस्वस्थ है जिनके इलाज में ही हर माह 2 हजार रूपए की दवाई लग जाती है। इतना पैसा उनके पास है नहीं जिससे अपने बेटे का इलाज करा सके व अपने बेटे-बहु, नाती-पोते वाले परिवार को पाल सके। पीड़िता मुन्नी बाई परिहार ने प्रशासन को या तो उन्हें व्यवसाय के लिए शासन या प्रशासन से किसी प्रकार उनकी जीवन यापन की व्यवस्था नहीं होने पर इच्छा मृत्यु की आज्ञा प्रदान की जाए। इस सम्बंध में ज्ञापन की प्रति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से लेकर हर बड़े अधिकारियों के पास प्रेषित कर दी है।

घर-घर जाकर अक्षत वितरण किया गया

राजनांदगांव (दावा)। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में भगवान श्री राम लला के मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा होना तय है इस कडी में स्थानीय अटल विहार कॉलोनी पेण्ड्री राजनांदगांव में श्री महामृत्युंजय हनुमान मंदिर में कलश पूजा के बाद घर घर जाकर पवित्र पीला चांवल, आमंत्रण पत्र एवं भगवान श्री राम जी की फोटो लेकर सभी घरों में आमंत्रण दिया गया व समस्त भक्तों से निवेदन किया गया कि 22 जनवरी को अपने अपने घरों में दीप जलाये, आंगन में रंगोली बनाये मिठाईयां बांटे राम मय दिवाली मनाये। आज के इस कलश पूजन व कलश यात्रा में महिला समिति के श्रीमति माधुरी सोनी, श्रीमति अंजु यादव, सीमा चितले, खुशबू शर्मा, राखी ठाकुर, सौम्या कौशल, शशी साहू, स्वेता गुप्ता एवं कॉलोनी के महिला, पुरूष एवं बच्चें सम्मिलित रहे।

पहला कॉलम...

दो दिवसीय सुंदरकांड महोत्सव 14 व 15 जनवरी को

राजनांदगांव (दावा)। श्याम के दीवानों संग हनुमान जी भक्तों द्वारा 14 व 15 जनवरी को श्री सुंदरकांड पाठ की सोलहवीं माला के विश्राम के अवसर पर श्री जलाराम राम मंदिर कैलाश नगर में दो दिवसीय सुंदरकांड महोत्सव आयोजित होने जा रहा है, प्रथम दिवस 14 जनवरी को सुबह 9 बजे से हनुमान जी के पूजन पश्चात् पवित्र मंत्रोंपचार के साथ अभिषेक प.मनोज शुक्ला के सानिध्य में होगा, साथ में भजनों की प्रस्तुति निखिल श्याम द्वारा दी जायेगी फिर आरती व प्रसाद वितरण होगा। 15 जनवरी को मकर संक्रांति के पावन दिन शाम 5.30 बजे से सोलहवीं माला का 108 वां सुंदरकांड पाठ 108 भगत जोड़ों के साथ होगा, पाठ वाचक प.गणेश मिश्रा (ताल छापर) होंगे, इसके पश्चात सभी भक्तों हेतु महाप्रसादी होगी। इस कार्यक्रम की पूरी जानकारी परम श्याम भक्त राजेश शर्मा द्वारा दी गई। इस पूरे उत्सव की तैयारी में योगेश कोटक, राजू शर्मा, दीपक अग्रवाल, संतोष हुंका, संदीप मिश्रा, निखिल सहित सभी सदस्य जुटे हुए हैं।

टेहरदास साहू का निधन

राजनंदगांव (दावा)। लखोली निवासी टेहर दास साहू 81 वर्ष का आज 08 जनवरी को तकरीबन दोपहर 2:00 बजे दिन सोमवार को निधन हो गया। वह पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी अंतिम यात्रा आज 09 दिसम्बर दिन मंगलवार को दोपहर 12:00 बजे उनके निज निवास स्थान लखोली आदर्श चौक से निकाली जाएगी। उनका अंतिम संस्कार लखोली नाका स्थित मुक्तिधाम में किया जायेगा। वे अपने पीछे चार पुत्र सहित भरापुरा परिवार छोड़कर स्वर्ग सिधार गए। ज्ञात हो कि वे प्रवीण साहू लखोली साहू समाज के अध्यक्ष के पिता थे।

गणेश राम अहीर का निधन

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय मुदलियार कॉलोनी स्टेशन पारा निवासी गणेश राम अहीर (उम्र 72 वर्ष) जो रानी लक्ष्मीबाई स्कूल में शिक्षक थे का आकस्मिक निधन 08 जनवरी को अस्वस्थता के चलते निधन हो गया जो कि मिनल वर्धन के पिताजी थे। जिनका अंतिम दर्शन उनके निज निवास में सुबह 9 बजे और अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम खैरागढ़ में 11 बजे सुबह किया जायेगा।

कर्म करना हमारे हाथ में फल देना उसके हाथ में- पं. अर्पित भाई

राजनांदगांव (दावा)। भागवताचार्य पंडित अर्पित भाई शर्मा ने कहा कि भगवान कहते हैं कि मनुष्य का प्रारब्ध उच्च होता है और वह उच्च संकल्प करता है। यदि उसकी इच्छाएं यदि पूर्ण हो जाती है तो वह खुश हो जाता है और इच्छाएं यदि पूर्ण नहीं होती हो तो वह दुखी हो जाता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को दुखी नहीं होना चाहिए बल्कि हर परिस्थिति में खुश रहना चाहिए। कर्म करना हमारे हाथ में है और फल देना उसके हाथ में।

भागवताचार्य पंडित अर्पित भाई शर्मा ने यहां बलदेव बाग के साहू अपार्टमेंट में प्रकाश नत्थानी एवं प्रमोद नत्थानी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यासपीठ से बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान तो भक्तों के लिए ही हर पल सोचते रहते हैं और वह यह कोशिश करते हैं कि उसका कोई भी भक्त दुखी ना रहे। इसके लिए हमें वैसा कर्म करना पड़ेगा कि हमें अच्छा फल मिले। उन्होंने कहा कि भगवान को पाना है तो हमें भक्ति और अपने अच्छे कर्म से उन्हें प्रसन्न करना होगा तभी हम अच्छे फल प्राप्त कर सकते हैं। भागवताचार्य पंडित अर्पित भाई शर्मा ने आज श्री कृष्ण के बाल चरित्रों की कथा सुनाई गई।

प्रभु के नाम करण की लीला, भगवान ने किस प्रकार पुतना का उद्धार किया, कंस के द्वारा भेजे गए एक-एक असुर से ब्रजवासियों की किस प्रकार रक्षा करी आदि की कथा सुनाई। उन्होंने भगवान के माखन चोरी की बाल लीला का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रेम के चलते सच्चिदानंद ब्रह्म ने बंधन भी स्वीकार किया था। भगवान को यशोदा मैया ने उखल से बांध दिया। इन सब लीलाओं को करते भगवान ने गोवर्धन पर्वत को उठाने की लीला भी की। नाराज़ इंद्र ने वर्षा कराई तो भगवान ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली से उठा लिया, तब से भगवान गिरधारी कहलाए।

देवांगन समाज का मां परमेश्वरी महोत्सव एवं युवक-युवती सम्मेलन 18 फरवरी को

धूमधाम से मनेगा नगर देवांगन समाज का 9 वां आदर्श विवाह आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। नगर देवांगन समाज द्वारा इस वर्ष भी अपने कुल देवी मां परमेश्वरी का धूमधाम के साथ महोत्सव मनाने जा रहा है। पदमश्री आडिटोरियम में आगामी दिनों आयोजित होने वाले उक्त महोत्सव कार्यक्रम में समाज द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है।

18 फरवरी रविवार के दिन आयोजित इस महत्ती कार्यक्रम में आदर्श विवाह भी सम्पन्न किए जाएंगे। जिसकी तैयारी समाज के प्रमुख लोगों द्वारा की जा रही है। नगर देवांगन समाज के उक्त गरिमामयी कार्यक्रम के सम्बंध में जानकारी देते हुए समाज के अध्यक्ष दयावान देवांगन ने बताया कि सामाजिक संगठन को सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने में इस तरह के आयोजन काफी महत्वपूर्ण होते है। उन्होंने बताया कि नगर देवांगन समाज द्वारा उक्त भव्य कार्यक्रम की तैयारी के लिए संरक्षक इंजी. देवांगन मीडिया प्रभारी मिथलेश देवांगन, हेमंत देवांगन, मनोज देवांगन, देवेश देवांगन व समाज के सभी सक्रिय सदस्य जुटे हुए है।

हाथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी में उमड़ रही भीड़...11 को होगा समापन

राजनांदगांव (दावा)। नए बस स्टैण्ड के नजदीक सतनाम भवन में आयोजित हाथ करघा वस्त्र प्रदर्शनी में लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ रही है। सात दिनों के लिए आयोजित इस प्रदर्शनी में उपलब्ध एक से बढ़कर एक हाथ करघा के कपड़े आकर्षण के केन्द्र बने हुए है। हाथ करघा ग्रामोंद्योग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में लोगों को जहां जांजगीर-चांपा एवं रायगढ़ में उत्पादित कोसा सिल्क साड़िया, कोसा ड्रेस मटेरियल, शाल जैकेट, सलवार सूट, शर्टिंग आदि लुभा रहे है। वही राजनांदगांव जिले के बुनकर संस्थाओं द्वारा तैयारी किए गए काटन के वस्त्र, बैड शीट, पिलोकवर, गमछा, दरी, शर्टिंग, टावेल, उलन चादर, नेपकीन आदि आकर्षण के केन्द्र बने हुए है। फिलहाल यह सात दिवसीय प्रदर्शनी 11 जनवरी तक चलने वाली है। वाजिब दाम में मिल रहे, पंसदीदा कपड़ों को देखते हुए उमड़ रही ग्राहकों की भीड़ के चलते उनकी मांग के बावजूद प्रदर्शनी तय समय तक ही रखी जाएगी।

मोहारा, सुरगी क्षेत्र में रात्रि में घुम-घुम कर धान चोरी करने वाला पुलिस के हत्थे चढ़ा

123 कट्टा धान व चार पहिया वाहन जप्त

राजनांदगांव (दावा)। लालबाग पुलिस व सायबर सेल की संयुक्त कार्यवाही में मोहारा व सुरगी क्षेत्र में रात में घुम-घुम कर धान की चोरी करने वाले आरोपी को धरदबोचा। बताया जाता है कि आरोपी आरिफ खान उर्फ राजा द्वारा इस क्षेत्र में पांच जगहों पर धान की चोरी की थी।आरोपी के कब्जे से 123 कट्टा धान व घटना मे प्रयुक्त 2 नग चारपहिया वाहन बरामद किया गया है। धान कीमत 1 लाख 10 हजार रू. बताई जाती है।

लालबाग थाना प्रभारी नंदकिशोर गौतम ने बताया कि 7 जनवरी को प्रार्थी रेखा लाल देवांगन पिता कंवल राम देवागन (52 साल) निवासी एम.पी. टेलर के पास दुर्गा चौक बसंतपुर ने लालबाग थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि गत 6 जनवरी की दरमियानी रात उसके पैतृक ग्राम रीवागहन में घर के बाहर रखे 320 कट्टा में से 32 कट्टा धान कीमती करीबन 30,000 रू को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है। जिस पर धारा 379 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन पर स्वयं व सायबर सेल प्रभारी द्वारिका प्रसाद लाउत्रे के नेतृत्व में टीम गठित कर लगातार आरोपी की पता तलाशी की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर से पता चलने पर कि शांतिनगर गली नं. 4-1/2 चिखली का निवासी आरिफ खान उर्फ राजा पिता बशारत खान पूर्व में भी धान चोरी करता था जिसे पूछताछ करने थाना लेकर आया गया। आरोपी से कड़ाई से पूछताछ किए जाने पर उसने अपना अपराध करना स्वीकार किया तथा उसने बताया कि वह अपने दो अन्य साथी पप्पू कुलदीप और सुशील साहु दोनो निवासी ठेलकाडीह के साथ मिलकर अलग अलग चार जगहों पर धान की चोरी की थी जिसमें से ग्राम रींवागहन में 32 कट्टा ग्राम बोईरडीह में ब्यारा रखे 32 कट्टा, ग्राम अचानकपुर के एक ब्यारा से 20 कट्टा, ग्राम पुरैना से 16 कट्टा व ग्राम पारीखुर्द से 45 कट्टा धान इस तरह कुल 145 कट्टा धान को चोरी किया गया है। आरोपी आरिफ खान उर्फ राजा के कब्जे से कुल 123 कट्टा धान व घटना मे प्रयुक्त वाहन टाटा मैजिक क्र. सी.जी. 04 एच.बी. 3638 एवं मारूती वैन कमाक सी.जी.-07/1774 को बरामद कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी आरिफ खान उर्फ राजा को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है।

मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण पर केन्द्रीय विद्यालय में सेमिनार

राजनांदगांव (दावा)। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय राजनांदगांव में 6 जनवरी को मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर एक सेमिनार का आयोजन किया। पीएमश्री गतिविधियों के अंतर्गत आयोजित इस सेमिनार का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और इसे बनाए रखने के लिए विभिन्न विधियों की जानकारी देना था। उच्चतर माध्यमिक वर्ग के विद्यार्थियों लिए आयोजित इस सेमिनार में मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श के क्षेत्र में व्यापक अनुभव वाली शहर की प्रसिद्ध परामर्शदाता डॉ. श्रीदेवी गोडिशाला मुख्य वक्ता थी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मनोज कुमार ने की। डॉ. श्रीदेवी की आकर्षक और जीवंत प्रस्तुति ने तनाव प्रबंधन, चिंता और अवसाद दूर करने समेत मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया और सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने विद्यार्थियों की अतिसक्रियता, उनका ध्यान विकेंद्रित होने और उन्हें मोबाइल की लत जैसी अनेक बातों पर उनका मार्गदर्शन किया। डॉ. श्रीदेवी ने सीखने की विभिन्न समस्याओं जैसे डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया, डिसकैलकुलिया आदि के लक्षणों और कारणों के बारे में चर्चा की और इनके उपचार तथा समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानसिक कल्याण के लिए संतुलित जीवन शैली के महत्व पर जोर दिया, जिनमें नियमित योग, ध्यान, व्यायाम, स्वस्थ भोजन की आदते, पर्याप्त नींद, खुशी और तनाव रहित विश्राम लाने वाली गतिविधियों में शामिल होना प्रमुख हैं। डॉ. श्रीदेवी की प्रस्तुति के बाद, एक जीवंत प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों को प्रश्न पूछने और किसी भी संदेह के निवारण का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक डॉ.योगेंद्र पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक महेंद्र मिश्रा, अनिल डोंगरवार, संगीत सोनी, सुश्री विनीता पांचाल, श्रीमती सोनम अवस्थी समेत अनेक शिक्षकगण और उच्चतर माध्यमिक वर्ग के सभी विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

न्यायालय नजूल जाँच अधिकारी, राजनांदगाँव (छ.ग.)

ईश्तहार

राजस्व मामला क्रमांक 202312093700014 अ-6 वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक एजाज अहमद आ. स्व. ग्यासुद्दीन अहमद, निवासी-गुड़ाखूलाईन, राजनांदगाँव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर शहर राजनांदगाँव मोहल्ला गुडाखुलाईन स्थित शीट क्रमाक 48 ए. भूखण्ड क्रमांक 271/1, क्षेत्रफल 286.14 वर्गमीटर धारकगण ग्यासुद्दीन, मोईनुद्दीन, नजरूद्दीन, अनीश अहमद आ. अब्दुल लतीफ, तनवीर अहमद, तौसिफ अहमद, सुहेल अहमद आ. जियाउद्दीन, गुलरना आ. जियाउद्दीन, समशाद बेगम विधवा जियाउद्दीन अहमद, निवासी-हमालपारा, राजनांदगाँव में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के सहधारक ग्यासुद्दीन आ. अब्दुल लतीफ की मृत्यु होने से उनका नाम विलोपित कर उनके वारिसों का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि/मकान/संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी **तारीख 24.01.2024** को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई सुनवाई नही होगी। यह उद्घोषणा आज **दिनांक** 08.01.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नजूल जांच, राजनांदगाँव

श्री कृष्णा (एयरकुल) में

तारीख 12 से माटी पुत्र, रोजाना 4 खेलों में

समय : 12, 3, 6 व 9 बजे

बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।

रेड चिल्ली प्राडक्शन कृत

डंकी

कलाकार - शाहरूख खान, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, बोमन इरानी, विक्रम कोचर आदि

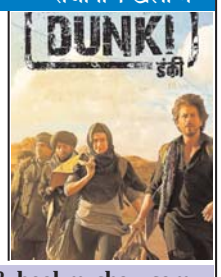

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

SILVER SCREEN Multiplex

05th Jan To 11th Jan 2024

Dunki - 12:00, 03:00 06:30 & 09:30 pm

Salaar - 12:00, 03:15, 06:00, 05:30 & 09:15 pm

Animal - 12:30 and 08:45 pm

Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G.) 8085600200

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति गंडई जिला-खैरागढ़-छुईखदान, गंडई (छ.ग.)

E-mail-gandai.mandisamiti@gmail.com

क्रं./मंडी/के.नी./2023-24/779 गंडई, दिनांक-08/01/2024

तृतीय केन्टीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति गण्डई के अनाज मंडी प्रांगण में केन्टिन दुकान की नीलामी दिनांक 30.01.2024 दिन मंगलवार समय 2.00 बजे मंडी कार्यालय गण्डई में कराया जाना है। इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग लेने हेतु केन्टीन के कुल लागत (राशि 1139200/-) का 12 प्रतिशत किराया वार्षिक निर्धारण अनुसार 6 माह का राशि 68352/- रू. एफ.डी.आर./ एन.एस.सी.जो सचिव कृषि उपज मंडी समिति गण्डई के नाम से देय होगा धरोहर के रूप में दिनांक 29.01.2024 दिन सोमवार तक जमा करना अनिवार्य होगा तथा मासिक किराया राशि 11400/- रू. न्यूनतम होगा धरोहर राशि जमा होने के पश्चात ही नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। नीलामी हेतु निर्धारित अन्य शर्ते कार्यालयीन समय में मंडी कार्यालय में देखा जा सकता है।

भारसाधक अधिकारी/सचिव)
कृषि उपज मंडी समिति गंडई
जिला-खैरागढ़ छुईखदान गंडई (छ.ग.)

संवाद-39292/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय अधीक्षण अभियंता, शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र.150911/निविदा सूचना क्र.08/वलेलि/2023-24, डोंगरगांव, दिनांक 05.01.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **22.01.2024 17.30** तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम- राजनांदगांव (वर्तमान मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी) जिले के विकासखण्ड अम्बागढ़ चौकी की गोंदानाला जलाशय जीर्णोद्वार एवं नहर लाईनिंग कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 173.69 लाख

(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **12.01.2024** समय **17.31** बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन बैराज संभाग, डोंगरगांव
कृते-अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

जी- 06944/2

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202401092200002

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2023-24

कुरूभाठ प.ह.नं. 00029 [(हे.)]

पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार-धीरज शर्मा

अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धीरज शर्मा पिता रामस्वरूप शर्मा जाति ब्राम्हण उम्र 42 वर्ष सा. वार्ड नम्बर 15 डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम कुरूभाठ प.ह.नं. 29 तहसील डोंगरगढ़ स्थित खाता क्रमांक 414 में ख.नं. 299/6 रकबा 0.262 हे. कृषि भूमि शिवकुमार शर्मा, गोपाल शर्मा, धीरज शर्मा, आशीष शर्मा, ज्योति पुरोहित, आशा शर्मा सभी पिता रामस्वरूप शर्मा सभी जाति ब्राम्हण सभी सा. डोंगरगढ़ के नाम पर दर्ज व स्थित है। उक्त कृषि भूमि का मूल ऋण पुस्तिका कही गुम हो गई है, जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस थाना डोंगरगढ़ में दर्ज किया गया है। अतः उक्त भूमि का डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने बाबत निवेदन किया गया है। मो. - 9893675330

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 22.01.2024 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/01/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार डोंगरगढ़

शुभांक

अनुमानित

बी. के
1-5-9
467-7 238-3
राजधानी
3-6-8
699-4 368-7

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरुपयोग न करें। दुरुपयोग करने पर इकाशक को कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

तय अग्रेषण शुल्क से ज्यादा राशि लेने के मामले में एबीवीपी छात्रों ने कॉलेज में किया हंगामा

डोंगरगांव (दावा)। शहर के उपाधि महाविद्यालय में परीक्षा फार्म जमा करने का दौरा चल रहा है। इस दौरान परीक्षा शुल्क के साथ अग्रेषण शुल्क भी लिया जाता है। वहीं महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा अधिक राशि लेने के मामले को लेकर एबीवीपी व छात्रों ने जमकर हंगामा किया और एसडीएम की समझाईश व कार्रवाई के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

बात दें कि सोमवार 8 जनवरी को तय अग्रेषण शुल्क से अधिक राशि लेने के मामले में एबीवीपी छात्रों के द्वारा कॉलेज के गेट के सामने प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि परीक्षा शुल्क के साथ अग्रेषण शुल्क 30 रुपये तय है जिसमें रसीद भी दिया जाना अनिवार्य है। महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा प्रत्येक छात्रों से 20 रुपए की राशि अधिक ली गई है। इस मामले की जानकारी लगते हैं छात्र संघ व छात्रों ने जमकर हंगामा किया और महाविद्यालय प्राचार्य बाहर आकर ज्ञापन लेने की जिद पर अड़े रहे। छात्र नेताओं को प्रदर्शन करते करीब 2 घंटे बीत चुके थे इस दौरान वे लगातार महाविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ नारे लगा रहे थे और कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इस दौरान छात्र नेताओं ने डोंगरगांव एसडीएम ए. के. पुसाम को भी इसकी जानकारी दी और वे तत्काल महाविद्यालय पहुंचे। छात्रों से बात की और फिर प्राचार्य से इस मामले में पूरी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि प्रबंधन के द्वारा कॉलेज के इंफ्रास्ट्रक्चर में टूट फूट के मरम्मत के नाम पर यह राशि लेने की बात सामने आई है। इस मामले में जांचकर कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसडीएम की उपस्थिति में प्राचार्य डॉ. बी.एन मेश्राम छात्रों के बीच पहुंची और ज्ञापन लिया। लेकिन इस दौरान छात्रों और प्राचार्य के बीच तनातनी और बहस भी हो रही थी जिसके चलते स्थिति विपरीत हो गई थी। वहीं प्रबंधन से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि दिसंबर के माह में पोस्ट ग्रेजुएशन वाले छात्रों से 20 की राशि उनकी सहमति से ली गई है और इसे लागू करने से पहले वित्तीय समिति की बैठक की गई थी। वहीं अंडरग्रैजुएट के छात्रों से 10 रुपये की राशि ली गई है। वहीं अब मामला तूल पकड़ने के बाद प्रबंधन बच्चों से ली गई राशि को वापस करने की बात कह रही है। वहीं छात्रों का कहना था कि अग्रेषण शुल्क के अलावा 20 रुपये की राशि अधिक ली गई, रसीद भी नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कहा जा रहा है कि यदि या राशि जमा नहीं किया गया तो परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा। जिसके बाद यह मामला तूल पकड़ लिया। इस मामले में एबीवीपी ने विज्ञप्ति जारी कर महाविद्यालय प्राचार्य पर छात्रों के साथ तब दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया है।

एसडीएम के आने के बाद मामला शांत हुआ, जांच कर कार्यवाही का आश्वासन मिला

इस प्रदर्शन में नवनीत अहीर दानेश्वर साहू, यशवंत नायक, गिरीश यादव, पंकज यादव, भागीरथी निषाद, सत्यम वैष्णव, देव नारायण माली, आसु सेन, चंद्रशेखर, कुलपति, आकाश, ब्रजेश, सत्रुहन, संदीप, अभिषेक, मुकेश, हिमांशु, राहुल कोस्टा, पुष्पेंद्र, ओमेश, भूपेंद्र, त्रिवेंद्र, पीवेंद्र, अमन साहू, यशवंत साहू, अनीश, कौशल सोनी, चेतन, मेनका देहारी, मुस्कान साहू, टोमेश्वरी पटेल, दिव्या, डोमेश्वरी, संध्या, सुषमा, ऋतु पटेल, भूमिका, हस्तिका, किरण, तिकेश्वरी, नंदनी, रोशनी शुक्ला, करीना पटेल, डॉली देवांगन, यामिनी साहू, यामिनी सोनकर, पूजा पटेल, मोनिका, दामिनी, भारती आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

> कालेज के इंफ्रास्ट्रक्चर को छात्रों ने क्षति पहुंचाई है। इलेक्ट्रिक स्विच बोर्ड और नल जैसे आवश्यक वस्तुओं को लगातार तोड़ा जा रहा है। इसी के मरम्मत के लिए वित्तीय समिति में बैठक कर सहमति बनी और यूजी के बच्चों की सहमति के बाद राशि ली गई। जिससे यूजी के छात्रों से 12260 रुपये की राशि जमा हुई थी, जिसे जनभागीदारी समिति में जमा कराया गया है। छात्रों को आपत्ति है तो पूरी राशि उन्हें वापस करने के लिए कह दिया गया है।
>
> **- डॉ. बी.एन. मेश्राम, प्राचार्य**
> **कालेज डोंगरगांव**

धार्मिक न्यास व संस्कृति मंत्री से बूढ़ासागर में 108 फीट धर्म ध्वजा व स्मारक स्थापित करने भाजयुमो ने की मांग

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य पर्यटन व संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का राजनांदगांव में प्रथम आगमन के अवसर पर भाजयुमो जिला महामंत्री कमलेश सूर्यवंशी (गोलू) ने उन्हें एक ज्ञापन सौंपकर राजनांदगांव स्थित पुरातन शीतला माता देवालय मंदिर बूढ़ा सागर के किनारे 108 फीट का धर्म ध्वजा फहराने तथा स्मारक निर्माण किये जाने के लिए धर्मस्य न्यास मंत्री से स्वीकृति पूर्ण करने मांग की ज्ञात हो कि बूढ़ासागर संस्कारधानी की धरोहर है उसे सहेजना, संवारना शासन के साथ साथ नागरिकों का भी कर्तव्य है इसी कड़ी में उक्त स्थान पर धर्म ध्वजा व स्मारक स्थापित होने से शहर के मध्य एक धार्मिक व स्वच्छ वातावरण व्याप्त होगा जिस हेतू भाजयुमो नेता ने संस्कृति मंत्री से मांग की जिस पर बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी सहमति देते हुए जल्द कार्यवाही करने का भरोसा दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत वार्डो में शिविर आयोजित

राजनांदगांव(दावा)। बेघर एवं कच्चे मकान में निवास करने वाले परिवारों के लिये केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की, योजना का मूल उद्देश्य सम्पूर्ण निकाय क्षेत्र को कच्चे आवासों से मुक्त कराकर उन कच्चे आवासों के स्थान पर पक्के मजबूत छत प्रदान करना है। इस उदेदश्य कि पूर्ति हेतु नगर पालिक निगम राजनांदगॉव सतत् कार्यरत है। इस निकाय को प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक बी.एल.सी. 'मोर जमीन मोर मकान' के तहत अब तक 9025 आवास की स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति के विरूद्ध 2445 आवास निर्माणाधीन है, एवं 6010 आवास पूर्ण हो गये है। इसी प्रकार बेघरों के लिये 1930 आवास निकाय क्षेत्र में स्वीकृत है, जिसमें से 1282 आवास पूर्ण एवं 648 आवास निर्माणाधीन है। योजना का लाभ लेने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत वार्डो में 13 जनवरी से 16 जनवरी तक आयोजित शिविर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन लिया जायेगा।

आवास योजना के क्रियान्वयन के संबंध में निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने बताया कि मोर जमीन मोर मकान योजना में शासन के द्वारा आवास निर्माण के लिए अधिकतम स्वीकृत राशि 2,26,125 रूपये आवास निर्माण में सहयोग हेतु चार किश्तो में प्रदान की जाती है। हितग्राही के बैंक खाते में प्रत्येक किश्त प्रदान की जाती है। प्रथम किश्त हितग्राही द्वारा नीव खुदाई करने पर एवं द्वितीय किश्त छज्जा स्तर तक आवास निर्माण करने पर एवं तृतीय किश्त छत की ढलाई करने पर तथा चतुर्थ एवं अंतिम किश्त आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराने पर भुगतान किया जाता है। हितग्राही के भू-भाग का क्षेत्रफल कम होने पर उपर और नीचे का आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जाती है तथा उपर और नीचे में गति निर्माण के अनुसार भुगतान किया जाता है।

आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि इसी प्रकार योजना के घटक मोर मकान आस योजनांतर्गत आज दिनांक तक कुल 752 आवेदन पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से 449 आवेदन पात्र पाये गये, इन पात्र आवेदकों में से 85 परिवारों को अपने स्वयं का आशियाना योजनांतर्गत प्राप्त हुआ, जिससे वर्षो से अपने स्वयं के आवास की बाट जोह रहे परिवारों को अपना स्वयं का आवास मिला। राजनांदगॉव निकाय में आवास निर्माण में गुणवत्ता के लिए आवास स्वीकृति से आवास पूर्ण होने तक लगातार काबिल विशेषज्ञ की देख-रेख में आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाता है।

आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि राजनांदगांव नगर निगम प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का सफल क्रियान्वयन के 08 वर्ष पूर्ण कर इस छोटे से निकाय ने पुरे प्रदेश में रायपुर जैसे बड़े निकाय के बाद 6000 आवास बी.एल.सी. 'मोर जमीन मोर मकान' के तहत पूर्ण करने वाला दूसरा निकाय है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार आवास निर्माण में अच्छे कार्य करने पर इस निकाय को सुन्दर और अच्छे आवास निर्माण के लिए वर्ष 2022 में राजकोट गुजरात में सम्मान होने वाले आयोजन में सम्पूर्ण देश में श्रीमती शान्ति बाई रामटेके के आवास का चयन कर उन्हे पुरस्कार प्रदान कर सम्मान प्रदान किया गया। आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा भी आवास योजना के क्रियान्वयन में 18,00,000 आवास के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसका क्रियान्वयन नगर निगम द्वारा किया जा रहा है और इस योजना के तहत् आवेदन करने हेतु राजनांदगॉव निकाय क्षेत्र में निवास करने वाले वे परिवार जिनके पास भू-दस्तावेज है और किसी भी कारण से अपने पक्के आवास का निर्माण नही कर सकते वे सभी विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत दिनांक 13 जनवरी से 16 जनवरी तक वार्डो में लगने वाले शिविरों में आकर अपने दस्तावेज सही मोबाईल नम्बर के साथ दर्ज कर जमा कर सकते है। आवास की स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जा सकेगा, साथ ही वर्षो से निकाय क्षेत्र में किराये के मकान में निवासरत परिवार तथा बेघर परिवार को मोर मकान मोर आस योजनांतर्गत मात्र लागत मूल्य पर आवास उपलब्ध कराया जा रहा है।

आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि मोर जमीन मोर मकान आवास योजना का लाभ लेने पूरे परिवार का आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, बैक पास बुक, राशन कार्ड, भूमि दस्तावेज व 31 अगस्त 2015 के पूर्व निकाय क्षेत्र का अनिवार्य रूप से रहवासी होना सम्बन्धी दस्तावेज संलग्न करना होगा। इसी प्रकार मोर मकान मोर आस योजना के लिये पूरे परिवार का आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, 100 रूपये के स्टाम्प में आवास या भूमि नहीं होने का शपथ पत्र, 31 अगस्त 2015 के पूर्व निकाय क्षेत्र का अनिवार्य रूप से रहवासी होना तथा राशन कार्ड व आय प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। उन्होंने आवास योजना का लाभ लेने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत वार्डो में आयोजित शिविर में नागरिकों से उपस्थिति की प्रदान करते हुये अपील की है।

एनपीएस की छात्राओं का क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

राजनांदगांव (दावा)। नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था नीरज पब्लिक स्कूल पेण्ड्री, की छात्राओं शिविका अग्रवाल व नवलीन कौर जस्सल का दिनांक 11 जनवरी से 14 जनवरी तक अहमदाबाद में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय क्रिकेट शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता अंडर-19 वर्ष बालिका वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने हेतु चयन हुआ है। नीरज पब्लिक स्कूल के क्रिकेट कोच हिमांशु यादव के मार्गदर्शन में इन छात्राओं के चयन से नगर तथा शाला का गौरव बढ़ा है। इस अवसर पर शाला की प्राचार्या सुश्री भारती गौते, क्रीड़ा विभाग के अनुभवी खेल प्रशिक्षक निसार अब्बास एवं खेल विभाग शिक्षक व समस्त निदेशकगण तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं ने ढेर सारी शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पुराना ढाबा में सड़क किनारे नाली से लगे जमीन पर कब्जा.... भड़के वार्डवासी

राजनांदगांव (दावा)। पुराना ढाबा वार्ड नं. 4 में एक व्यक्ति द्वारा मुख्य सड़क के किनारे नाली से लगी जमीन पर कब्जा किए जाने से वार्ड वासियों में आक्रोश की स्थिति निर्मित हो गई। बाद के एक व्यक्ति द्वारा लोहे का एंगल डालकर शासकीय जमीन को कब्जा किए जाने से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले पड़ोसी कमलेश साहू ने इस संबंध में लालबाग थाने में शिकायत करते हुए कहा है कि उसके पड़ोसी प्रकाश साहू द्वारा शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने से उसके घर की गली में आवाजाही बाधित हो रही है।

पीड़ित ने की लालबाग थाने में शिकायत... कार्रवाई की मांग

मुख्य सड़क से लगे नाली के बचे भाग को लोहे का एंगल डाल कर अवैध कब्जा करने वाले प्रकाश साहू से इस सम्बंध में मना किए जाने पर उनके साथ गाली-गलौज, मारपीट पर उतर आया। यही नहीं उसकी पत्नी द्वारा पीड़ित कमलेश की बूढ़ी मां को भी गाली-गलौज देने से उसकी मां अस्वस्थ हो गई है जिसकी शिकायत उन्होंने लालबाग थाने में की है। पू. ढाबा वार्ड नं. 4 के मुख्य मार्ग में सड़क से लगी नाली के शेष भाग को केप्चर कर लिए जाने तथा वहां मिट्टी पट कर गार्डनिंग का निर्माण कार्य करने वाले अतिक्रमण कर्ता के इस कार्य की वार्ड समाज सेवी उमेश साहू, चन्द्रेश साहू, मिथलेश साहू व अन्यों सहित पीड़ित की मां के साथ गाली गलौज करने के प्रत्यक्ष दर्शी क्रांति मेश्राम ने आलोचना की है। पुराना ढाबा वार्ड में उक्त अवैध कब्जा से पीड़ित कमलेश साहू ने बताया कि सड़क से उसके घर प्रवेश की गली में भी प्रकाश साहू द्वारा पक्की सीढ़ी बना कर गली को और भी संकुचित कर दिया है। जिससे उन्हें आने-जाने में परेशानी होती है। कमलेश साहू का कहना है कि प्रकाश साहू उनके घर के सामने का शासकीय जमीन पर कब्जा कर गार्डनिंग की तैयारी कर रहा है। जिस पर बाद में उक्त अवैध कब्जा पर काम्पलेक्स बना कर आर्थिक लाभ अर्जन भी कर सकना है। अतः उक्त अवैध कब्जा को शीघ्र ही हटाए जाने की मांग की है।

निबंध प्रतियोगिता में शीतल पालीवाल एवं रचना अग्रवाल ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

राजनांदगांव(दावा)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के द्वारा ज्वलंत सामाजिक दो विषयों पर प्रांत स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पूरे प्रदेश के कोने-कोने से 113 प्रतिभागियों ने निबंध के विषय अधिक उम्र में विवाह के दुष्परिणाम एवं संतानोत्पति से विरक्ति आधुनिकता एक अभिशाप विषय पर निबंध लिखकर समाज के जागरण का कार्य किया।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के अध्यक्ष नेतराम अग्रवाल, महामंत्री मनोज अग्रवाल एवं हेमलता मित्तल के संयोजकत्व में आयोजित प्रतियोगिता के परिणाम राजस्थान के अलवर एवं उदयपुर के प्रोफेसर के द्वारा उक्त प्रतियोगिता के लिए प्राप्त निबंधों का अध्ययन, मनन एवं चिंतन कर आज निर्णय की घोषणा की गई। जिसके अनुसार पहले विषय अधिक उम्र में विवाह के दुष्परिणाम के लिए प्रथम स्थान जांजगीर निवासी शीतल पालीवाल को प्राप्त हुआ, द्वितीय स्थान दुर्ग की शिखा अग्रवाल एवं तृतीय स्थान बिलासपुर के जी.के. अग्रवाल को दिया गया है। वहीं द्वितीय विषय संतानोत्पति से विरक्ति आधुनिकता एक अभिशाप विषय पर प्रथम स्थान बिलासपुर की रचना अग्रवाल को प्राप्त हुआ, द्वितीय स्थान दुर्ग की प्रतिमा अग्रवाल एवं तृतीय स्थान भाटागांव के डॉ. किशोर अग्रवाल को दिया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल महिला संगठन की प्रांतीय अध्यक्ष गंगा अग्रवाल, युवा संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष आशीष सेकसरिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का 16वॉं प्रांतीय अधिवेशन एवं अष्टम अग्र अलंकरण समारोह अग्रवाल सभा, राजनांदगांव के आतिथ्य में आगामी 13 एवं 14 जनवरी को अनंत पैलेस, सीआईटी कालेज के समीप राजनांदगांव में आयोजित किया गया है। उक्त महोत्सव के द्वितीय दिवस 14 जनवरी को निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कृत किया जाएगा। अग्रवाल सभा, राजनांदगांव के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, सचिव लोकेश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष विमल अग्रवाल ने बताया कि आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। महोत्सव के सह प्रायोजक के रूप में सुनील रामदास अग्रवाल रायगढ़, मनोज अग्रवाल, राजनांदगांव, मनोज अग्रवाल, डोंगरगढ़ एवं आलोक बिंदल ने अपनी स्वीकृति प्रदान की हैं। वहीं महोत्सव में सम्मिलित होने वाले अतिथियों / प्रतिनिधियों के समुचित खानपान की सारी व्यवस्था मधुसूदन ओमप्रकाश अग्रवाल, अतुल मयंक अग्रवाल एवम समीर पोद्दार द्वारा की जाएगी।

आयोजन के प्रचार प्रसार प्रभारी अशोक लोहिया ने बताया कि महोत्सव में आने वाले अतिथियों के स्वस्थ की देखरेख के लिए डॉ. दिनेश अग्रवाल, डॉ. आर. एस. अग्रवाल, डॉ. गिरीश अग्रवाल, डॉ. हितेश लोहिया डॉ. विनोद लोहिया, डॉ. अशोक मोदी की चिकित्सा समिति अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। अर्थ व्यवस्था समिति में विमल अग्रवाल, संजय लोहिया, रामावतार जिंदल एवं सीए विनोद अग्रवाल सम्मलित किए गए है। दोनों दिन के मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के आगमन से लेकर प्रस्थान करने तक की समुचित व्यवस्था की देखरेख समीर पोद्दार, सौरभ अग्रवाल एवं भावेश अग्रवाल द्वारा की जाएगी। मोमेंटो, बैनर इत्यादि का कार्य प्रतीक अग्रवाल एवं गौरव अग्रवाल (ढाबा) करेंगे।

आदिवासी अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ द्वारा रेवाडीह में आयोजित किया गया नववर्ष मिलन समारोह

राजनांदगांव (दावा)। प्रकोष्ठ आदिवासी अधिकारी-कर्मचारी समाज रेवाडीह राजनांदगांव द्वारा रविवार 07 जनवरी को कंवर धर्मशाला राजनांदगांव में नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल धनोरा बालोद के सेनानी डी.आर. आचला उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष प्रहलाद सोरी ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप के अधिक्षण अभियंता जल संसाधन विभाग सतीश टीकम, गोंड़वाना समाज के अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के संभागीय अध्यक्ष एवं जनसंपर्क अधिकारी जिला बालोद चंद्रेश ठाकुर, श्रीमती जयंती ठाकुर, अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक संघ के जिलाध्यक्ष लेखराम मात्रा, सहायक खण्ड चिकित्सा अधिकारी क्षितिज सोरी, ज्ञान सिंह घावड़े, लाल देव तारम, पवन तुलावी, प्रकाश बोगा, जी.एस. लाटिया एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

शिक्षित एवं संगठित होकर समाज हित में निरंतर अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने की अपील की गई

मुख्य अतिथि आचला ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी समाज के जागरूक एवं प्रबुद्ध वर्ग के प्रतिनिधि होने के कारण यह वर्ग समाज का सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी भी सबसे अधिक है। उन्होंने समाज के लोगों को शिक्षित एवं संगठित होकर समाज के हित में निरंतर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने को कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रहलाद सोरी ने रेवाडीह राजनांदगांव में पहली बार आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम मे बड़ी संख्यां में समाज के लोगों की उपस्थिति पर सराहना व्यक्त किया। विशेष अतिथि सतीश टीकम ने आदिवासी समाज के लोगों को निरंतर सजग रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को कहा।

इस अवसर पर अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के संभागीय अध्यक्ष चंद्रेश ठाकुर ने आदिवासी समाज के गौरवशाली एतिहासिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि जब-जब भी राष्ट्र व समाज के सामने विपत्ति आयी है आदिवासी समाज ने अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्र व समाज की रक्षा में अपना बहुमुल्य भूमिका अदा की है। श्री ठाकुर ने समाज के लोगों को शिक्षित, संगठित एवं ज्ञानवान बनकर वर्तमान परिस्थिति के सामना करने के लिए सदैव तैयार रहने को कहा। उन्होंने समाज के लोगों को नशापान एवं अन्य कुरितियों का परित्याग कर समाज के उत्थान में अपना योगदान देने तथा समाज के गरीब, कमजोर एवं वंचित वर्गो के मदद के लिए सदैव तत्पर रहने को कहा। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के द्वारा बारी-बारी से सपरिवार अपना परिचय दिया गया। कार्यक्रम में समाज के छात्र-छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

आपदा प्रभावितों को सहायता अनुदान राशि स्वीकृत

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने दैवीय विपत्तियों के संबंध में राहत मद अंतर्गत राजनांदगांव तहसील के आपदा प्रभावितों को सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इसके अंतर्गत कुंआ में डूबने एवं मधुमक्खी काटने से 2 जनहानि होने पर 8 लाख रूपए की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

भागवत साहू की अगुवाई में भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव में शामिल हुए जिला साहू संघ के पदाधिकारी

शहीद स्व. पूर्णानंद साहू के पिता लक्ष्मण साहू, अमरनाथ साहू, सांईका साहू हुए सम्मानित

राजनांदगांव (दावा)। रविवार को धर्मनगरी राजिम के त्रिवेणी संगम में आयोजित भक्त माता राजिम जयंती महोत्सव मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सामाजिक जनों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ प्रभु राजीव लोचन एवं भक्त माता राजिम की पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ और समाज की सुख समृद्धि की कामना की।

अपने अतिथि उद्बोधन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि साहू समाज एक प्रगतिशील समाज है, हम सबकों भक्त माता राजिम एवं भक्त माता कर्मा के बताए संदेशों को अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ की भव्यता फिर से लौटाई जायेगी। श्री साय ने राजिम माता जयंती पर छत्तीसगढ़ वासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गजमाला पहनाकर आत्मीय अभिनंदन किया गया। भक्त राजिम माता जयंती में पहुंचे उपमुख्यमंत्री अरूण साव व सांसद चुन्नी लाल साहू ने भी सभा को संबोधित किया। मांगपत्र का पठन छत्तीसगढ़ साहू संघ के अध्यक्ष टहल साहू ने किया। इस महत्वपूर्ण क्षण पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एवं टहल साहू ने समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत् समाज सेवी, प्रतिभाशाली विद्यार्थी, खेल के क्षेत्र में परचम लहराने वाले नेशनल/इंटरनेशनल खिलाड़ियों का श्रीफल व माला पहनाकर एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया, जिसमें शहीद स्व. पूर्णानंद साहू के पिता लक्षण साहू, जिला साहू संघ के पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू, राष्ट्रीय हॉकी प्लेयर एवं इंटरनेशनल फ्लोरबाल खिलाड़ी सांईका साहू को माला पहनाकर, श्रीफल भेंटकर व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

रविवार 7 जनवरी को हुए भक्त माता राजिम महोत्सव में जिला साहू संघ के सहज एवं मिलनसार अध्यक्ष भागवत साहू के नेतृत्व में नीलमणी साहू महामंत्री जिला साहू संघ, उपाध्यक्ष द्वय शैलेंद्र साहू, श्रीमती नीरा साहू, भुवाल साहू उपकोषाध्यक्ष, कुलेश्वर साहू अध्यक्ष नगर साहू संघ, चंदन साहू, श्रीमती पूर्णिमा साहू, अंजू शिवकुमार साहू, सरिता साहू, हेमंत साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ डोंगरगांव, श्रीमती मुनेश्वरी साहू, माया साहु, गिरिजा साहू, टीलेश्वरी साहू, गुलापा साहु, इन्द्रसेन साहू, मंडल अध्यक्ष तुमड़ीबोड, अंकालू साहू,-मीडिया प्रभारी, कार्यालय प्रभारी जगमोहन साहू, तुकाराम साहू, श्रीमती जमुना साहू, गायत्री साहू, गौरी साहू, लविंद्र साव, मूलचंद साहू, भगवत साहू, चुम्मन साहू, बेलस साहू, राजेश साहू, महेश साहू, भैया लाल, हेमसिंग साहू, कालू साहू, अश्वनी साहू, रामदीन साहू, निर्मला साहू, सुशीला साहू, दुर्गा साहू, प्रतिमा साहू, हेमबाई, अंजु साहू, धनेश्वरी साहू, कुन्ती साहू, भानू साहू, सोहद्रा साहु, निवेदिता पल्लवी साहु, दृष्टि साहू, श्रीमती किरण साहू, साईका साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य व नागरिकगण सहभागिता प्रदान की। उक्ताशय की जानकारी जिला साहू संघ के कर्मठ महामंत्री नीलमणी साहू ने एक विज्ञप्ति में दी।

अनमोल दावा

"फूलों की सुगंध वायु की दिशा में फैलती है, लेकिन व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।

पृथ्वी पर बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते वायुमंडल का गैसीय संतुलन बिगड़ना खतरनाक

उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करना अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती होती है। उपग्रह के रास्ता भटक जाने, नियंत्रण कक्ष से संपर्क टूट जाने या बीच में ही नष्ट हो जाने का खतरा बना रहता है। इस दृष्टि से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की यह बड़ी कामयाबी है कि उसके वैज्ञानिकों ने आदित्य एल-1 को निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया।

इसे सितंबर के शुरू में प्रक्षेपित किया गया था और अब वह पृथ्वी से करीब पंद्रह लाख किलोमीटर स्थित तय बिंदु लैग्रेंज प्वाइंट-1 पर पहुंच चुका है। इस बिंदु पर गुरुत्वाकर्षण शून्य होता है। वहां से सूर्य के त्रिआयामी चित्र मिलते हैं। इस तरह आदित्य एल-1 वहां स्थिर रह कर निरंतर सूरज का अध्ययन कर सकेगा। इससे पहले इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान तृतीय को सुरक्षित उतार कर अपने कौशल का परिचय दिया था।

आदित्य एल-1 भारत का पहला उपग्रह है, जो सूर्य की गतिविधियों का अध्ययन करने के उद्देश्य से भेजा गया है। हालांकि सूर्य का अध्ययन करने का यह पहला प्रयास नहीं है। अमेरिका, जर्मनी, जापान आदि देश इसके लिए अपने उपग्रह भेज चुके हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजंसी नासा अब तक चौदह उपग्रह भेज चुकी है।

सूर्य हमारे सौरमंडल का सबसे महत्त्वपूर्ण तारा है, जो ज्वलनशील गैसों का एक पिंड है। अनेक अनुसंधानों से स्पष्ट है कि सूर्य पर होने वाली हलचलों का सीधा प्रभाव पृथ्वी पर पड़ता है। मौसम प्रभावित होता है। पिछले कुछ वर्षों से इस बात को लेकर चिंता गहराती गई है कि सूर्य का धीरे-धीरे क्षरण हो रहा है और उसकी वजह से सौरमंडल के अन्य ग्रहों की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

पृथ्वी पर बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते वायुमंडल का गैसीय संतुलन बिगड़ रहा है। अध्ययनों से पता चल सकेगा कि गंभीर चिंता का विषय बन चुके जलवायु परिवर्तन में सूर्य पर होने वाली हलचलों का कितना योगदान है। इससे भविष्य में पैदा होने वाले खतरों का आकलन भी किया जा सकेगा। आदित्य एल-1 के साथ गए अनुसंधान उपकरण अलग-अलग विषयों का अध्ययन करेंगे, जिसमें सूर्य की किरणों, सौर लपटों और चुंबकीय प्रभाव का अध्ययन महत्त्वपूर्ण होगा।

एक आशंका लंबे समय से जताई जाती रही है कि अगर सूर्य से चलने वाली हवाओं की दिशा पृथ्वी की तरफ हो जाए, तो पृथ्वी की कक्षा में स्थापित तमाम उपग्रहों के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा, सूचना तकनीक का सारा संजाल नष्ट हो सकता है। इस अध्ययन से ऐसी आशंकाओं की वास्तविकता पहचानी जा सकेगी।

पिछले कुछ वर्षों से पृथ्वी ग्रह को अनेक चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है। बढ़ता तापमान उनमें सबसे बड़ी चुनौती है। इसके चलते ग्लेशियर पिघल रहे हैं, फसल-चक्र पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। अन्न उत्पादन में कमी दर्ज की जा रही है। बढ़ती आबादी के समक्ष यह संकट ज्यादा चिंताजनक है। वर्षा चक्र असंतुलित होने के कारण हर साल दुनिया के बहुत सारे देशों को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

इसमें सूर्य से निकलने वाली चुंबकीय तरंगों का कितना योगदान है, यह भी आदित्य एल-1 के अध्ययनों से जाहिर हो सकेगा। इस तरह इस उपग्रह के प्रक्षेपण से न केवल कुछ और ब्रह्मांडीय रहस्यों की परतें खोलने में मदद मिलेगी, बल्कि मानव सभ्यता की सुरक्षा की दिशा में भी नए सिरे से सोचने, विचार करने और सामने खड़े संकटों से पार पाने के उपाय तलाशने के रास्ते खुल सकेंगे।

मालदीव और लक्षद्वीप की तुलना कितनी सही, दोनों में कितना अंतर

पीएम मोदी के लक्षद्वीप दौरे की तस्वीरें सामने आने के बाद शुरू हुई बहस अब मालदीव तक पहुँच गई है.पीएम मोदी और भारत पर विवादित टिप्पणी करने वाले मंत्रियों को मालदीव सरकार ने निलंबित कर दिया है.इन टिप्पणियों पर भारत समेत मालदीव के नेताओं की ओर से भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं.कहा ये भी जा रहा है कि मालदीव के नेताओं की ओर से जैसी टिप्पणी की गई, उससे वहाँ के पर्यटन उद्योग को घाटा होगा.

ये सारी बहस पीएम मोदी के लक्षद्वीप दौरे से शुरू हुई थी. जिनकी तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक तबका ये कहने लगा था कि अब छुट्टी मनाने मालदीव नहीं, लक्षद्वीप जाएं.

ऐसे ही ट्वीट्स का जवाब देते हुए मालदीव सरकार के मंत्रियों की ओर से आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए ये कहने की कोशिश की गई कि मालदीव की तुलना लक्षद्वीप से करना सही नहीं है.मालदीव और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए.भारत से मालदीव पहुंचना आसान है और कम वक़्त में पहुंचा जा सकता है.मालदीव वीज़ा फ्री है. लक्षद्वीप जाने के लिए आपको परमिट लेना होता है.भारत से अच्छी ख़ासी संख्या में मालदीव जाने के लिए फ्लाइट्स उपलब्ध हैं. वहीं अगर आप लक्षद्वीप फ्लाइट्स से जाना चाहते हैं तो फ्लाइट्स की संख्या कम है.इस कहानी में हम यही समझने की कोशिश करेंगे कि मालदीव और लक्षद्वीप एक-दूसरे से कितना अलग हैं और ये तुलना सही है या ग़लत?

मालदीव में %माल% शब्द मलयालम की माला से आया है. मालदीव में %माल% का मतलब माला से है और दीव का मतलब द्वीप से है. यानी दीपों की माला.1965 में ब्रिटेन से आज़ादी मिलने के बाद शुरू में यहां राजशाही रही. नवंबर 1968 में इसे गणतंत्र घोषित कर दिया गया.

मालदीव भारत के दक्षिण पश्चिम में स्थित है. भारत के शहर कोच्चि से मालदीव की दूरी क़रीब एक हज़ार किलोमीटर है.ये 1200 द्वीपों का एक समूह है. ज़्यादातर द्वीपों में कोई नहीं रहता है. मालदीव का क्षेत्रफल 300 वर्ग किलोमीटर है. यानी

आकार में दिल्ली से क़रीब पांच गुणा छोटा.मालदीव की आबादी क़रीब चार लाख है.मालदीव में धिवेही और इंग्लिश बोली जाती है.मालदीव का कोई भी द्वीप समुद्र तल से छह फुट से अधिक ऊंचा नहीं है. जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के बढ़ते जल स्तर की नज़र से मालदीव पर ख़तरा बना रहता है.

इस देश की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर टिकी हुई है. यहां के द्वीपों की अर्थव्यवस्था भी पर्यटन पर निर्भर करती है. मालदीव की अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय का एक चौथाई से ज़्यादा हिस्सा पर्यटन से आता है.

2019 में हर साल मालदीव आने वाले पर्यटकों की संख्या क़रीब 20 लाख रही थी. हालांकि कोरोना के दौर में ये संख्या काफ़ी कम रही थी. मालदीव जाने वालों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है. बीते साल भारत से मालदीव क़रीब दो लाख लोग गए थे. 2021 में क़रीब तीन लाख और 2022 में ये संख्या क़रीब ढाई लाख थी. मालदीव के मीडिया संस्थान एवीएएस के मुताबिक़, मालदीव आने वाले सबसे ज़्यादा पर्यटक भारतीय हैं. नीले समंदर से घिरे सफ़ेद रेत के किनारों वाले द्वीप पूरी दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर खींचते रहे हैं.

अगर आप 26 जनवरी को कोच्चि से मालदीवजाना चाहें तो फ्लाइट का टिकट लगभग 10 हज़ार रुपये की है. जाने में वक़्त लगेगा लगभग दो घंटे.

मालदीव पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक़, मालदीव में 175 रिसॉर्ट, 14 होटल, 865 गेस्ट हाउस, 156 जहाज़, 280 डाइव सेंटर्स, 763 ट्रेवल एजेंसी और पांच टूर गाइड्स हैं. कई ट्रैवल वेबसाइट्स के मुताबिक़, जनवरी-अप्रैल मालदीव घूमने का सबसे सही समय है.मई से सितंबर तक मालदीव में घूमने वालों की कम भीड़ रहती है.एक दिन के थ्री स्टार होटल की कीमत क़रीब 5 हज़ार से शुरू होती है.लक्षद्वीप भारत का केंद्र शासित प्रदेश है.लक्षद्वीप से मालदीव क़रीब 700 किलोमीटर दूर है. लक्षद्वीप केरल के कोच्चि से 440 किलोमीटर दूर है.लक्षद्वीप 36 छोटे-छोटे द्वीपों का समूह है.

साल 2011 की जनगणना के अनुसार, यहाँ की 96 फ़ीसदी आबादी मुसलमानों की है. लक्षद्वीप की कुल आबादी क़रीब 64 हज़ार है.

लक्षद्वीप का क्षेत्रफल क़रीब 32 वर्ग किलोमीटर है. यानी मालदीव के क्षेत्रफल से क़रीब 10 गुणा कम.लक्षद्वीप में 10 बसे हुए द्वीप में हैं. इनमें कवाराट्टी, अगाट्टी, अमिनी, कदमत, किलातन, चेतलाट, बिट्रा, आनदोह, कल्पनी और मिनिकॉय हैं. बिट्रा में सिर्फ 271 लोग रहते हैं और वहीं वीरान बंगाराम द्वीप में सिर्फ 61 लोग रहते हैं.

यहां मलयालम भाषा बोली जाती है. सिर्फ़ मिनिकॉय में लोग मल्हे बोलते हैं, जिसकी लिपि धिवेही है. ये वही भाषा है जो मालदीव में भी बोली जाती है.लक्षद्वीप में लोगों की कमाई का अहम ज़रिया मछली पकड़ना, नारियल की खेती है. लक्षद्वीप में पर्यटन उद्योग भी तेज़ी से बढ़ा है.कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि बीते साल लक्षद्वीप जाने वाले पर्यटकों की संख्या क़रीब 25 हज़ार रही थी. यानी मालदीव जाने वाले भारतीयों की संख्या से लगभग आठ गुणा कम.अगाट्टी में एक हवाई पट्टी है, जहां आप कोच्चि से पहुंच सकते हैं. अगाट्टी से कवाराट्टी और कदमत के लिए बोट उपलब्ध हैं. अगाट्टी से कवाराट्टी के लिए हेलिकॉप्टर सेवा उपलब्ध है.

कोच्चि से अगाट्टी की फ्लाइट क़रीब डेढ़ घंटे की है.कोच्चि से लक्षद्वीप जहाज़ के ज़रिए 14 से 18 घंटों में पहुंच सकते हैं. यहां जाने में कितने रुपये और वक़्त ख़र्च होगा, ये इस पर निर्भर करता है कि आप किस द्वीप जा रहे हैं और कितने दिन के लिए जा रहे हैं.मालदीव की ही तरह लक्षद्वीप में भी सफ़ेद रेत बीच हैं. यहां जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर के बीच का है.यहां तापमान 22 से 36 डिग्री सेल्सियस रहता है. दिसंबर से फ़रवरी के बीच यहां पर्यटकों की काफ़ी भीड़ रहती है.मगर ध्यान रहें कि लक्षद्वीप जाने के लिए आपको प्रशासन से परमिट लेना होता है और यहाँ कई द्वीपों पर एंट्री प्रतिबंधित है या सरकार की अनुमति लेनी होती है

लक्षद्वीप नाम की कहानी भी दिलचस्प है. मलयालम और संस्कृत में लक्षद्वीप का मतलब बोता है- एक लाख द्वीप.हाल ही में जब पीएम मोदी ने लक्षद्वीप का दौरा किया था तो कई विकास योजनाओं का शिलान्यास किया था.इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक़, पीएम मोदी का हाल का दौरा बीजेपी की चुनावी रणनीति से भी जुड़ा हुआ है.

पीएम मोदी ने हाल के दौरे में कहा था, 2020 में मैंने आपसे वादा किया था कि अगले 1000 दिन में लक्षद्वीप में तेज़ इंटरनेट होगा. आज जो ऑप्टिकल फाइबर प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, इससे आपको 100 गुणा तेज़ इंटरनेट स्पीड मिलेगी.

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम 32: महर्षि विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण को वन जाने का आदेश

डॉ.योगेंद्र कुमार पांडेय

राम लक्ष्मण को राजप्रसाद के विशेष कक्ष में इस तरह पहले कभी नहीं बुलाया गया था। यह उन्हें ज्ञात नहीं था कि राजा दशरथ उन्हें उनके जीवन के पहले युद्ध अभियान पर भेजने का आदेश देने वाले हैं। राम और लक्ष्मण ने राज कक्ष में प्रवेश के बाद अपने दोनों हाथ हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए अपने पिता राजा दशरथ को प्रणाम किया। फिर गुरु वशिष्ठ के पास जाकर उनके चरण स्पर्श किए। वे मुखमंडल पर तेज से युक्त महर्षि विश्वामित्र को देखने के बाद उनकी ओर भी बढ़े।

श्री राम को देखते ही विश्वामित्र जी ने मन में कहा, ''आओ राम! मैं कब से तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा था। आज मेरे जीवन का एक नया उत्तरदायित्व प्रारंभ होगा।''

दोनों कुमारों ने महर्षि विश्वामित्र के चरण स्पर्श किए और महर्षि ने उन्हें आशीर्वाद दिया।

राजा दशरथ ने राम से महर्षि विश्वामित्र का परिचय कराते हुए कहा, ''आप गाधिसुत महर्षि विश्वामित्र हैं। तपश्चर्या के साथ-साथ शस्त्र विद्या में भी निपुण और सिद्धहस्त। आज से वे आप दोनों के गुरु हैं। राम और लक्ष्मण आप दोनों गुरु की इच्छा के अनुसार एक विशेष दायित्व का निर्वहन करने के लिए अयोध्या से प्रस्थान करो।''

राम और लक्ष्मण ने गुरु विश्वामित्र जी को पुनः करबद्ध प्रणाम किया।

''पिताजी क्या हम अपने साथ अपने धनुष और बाण रख सकते हैं?'' लक्ष्मण ने पूछा।

राजा दशरथ ने कहा, ''अवश्य! क्षत्रिय राजकुमारों का दायित्व लोगों की रक्षा के लिए हर क्षण तत्पर रहना है। दंडकारण्य में किंचित अशांति की स्थिति है। वहां महर्षि विश्वामित्र जी को अपना यज्ञ निर्विघ्न संपन्न करना है। अतः यज्ञ स्थल की रक्षा करने के लिए आप दोनों उनके साथ जाओगे।''

राम ने कहा, ''जो आज्ञा पिताजी! हम माताओं से मिलकर अभी आए।'' जब राम ने माता कौशल्या को पिता के आदेश पर दंडकारण्य क्षेत्र में जाने की जानकारी दी और जाने के लिए अनुमति तथा आशीर्वाद मांगा, तो वे सहम गईं।

''अशांति की स्थिति और तुम दोनों? तुम्हारे पिता ने कैसे यह निर्णय ले लिया? क्या अयोध्या में सेना नहीं है?'' माता कौशल्या ने पूछा।

लक्ष्मण ने समझाया, ''है माता! लेकिन यज्ञ की रक्षा के कार्य के लिए सेना की आवश्यकता नहीं है। हम दोनों भाई ही पर्याप्त हैं। वैसे भी हम महर्षि विश्वामित्र के साथ जा रहे हैं।''

(भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की गाथा संस्कृत साहित्य में आदिकवि वाल्मीकि से लेकर वेदव्यास श्री कृष्ण द्वैपायन और हिंदी साहित्य में भक्ति काल के महाकवि तुलसीदास और उनके साथ-साथ अनेक कवियों तथा साहित्यकारों द्वारा प्रस्तुत की गई है। श्री राम कथा हजारों वर्ष पहले की है, लेकिन यह चिर प्रासंगिक है। युगों-युगों तक इसकी उपयोगिता है। श्री राम और रामायण के अन्य प्रेरक चरित्रों से हमें आधुनिक जीवन के लिए उपयोगी अनेक जीवन सूत्र प्राप्त होते हैं। इस लेखक द्वारा प्रस्तुत मौलिक आलेखों और प्रसंगवश कथाओं में भगवान श्री राम की दिव्य कथा का एक अत्यंत साधारण भक्त की कल्पनादृष्टि से,मूल कथा सूत्रों के रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए साहित्यिक प्रस्तुति का एक अनगढ़ प्रयत्नमात्र है।)

शब्द सामर्थ्य -298

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पीरम, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. चनीपज, चन से प्राप्त सामग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हमेशा।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. सूखा हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. ईसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सम्पट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

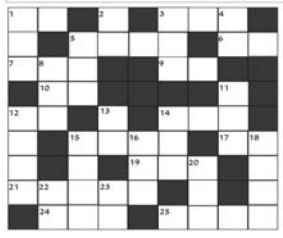

शब्द सामर्थ्य क्रमांक297का हल

गु	मा	न			प	थो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

सू- दोकू क्र.298

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र297का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

राशिफल

मेष — कल का दिन थोड़ा मेहनत वाला रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो उन्हें अपने कार्य क्षेत्र में मेहनत करने के साथ-साथ गुणवत्ता पर भी ध्यान देना होगा. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो मेडिकल लाइन का व्यापार करने वालों को कल मुनाफा तो होगा, परंतु इच्छा के अनुसार नहीं होगा, जिससे आप परेशान हो सकते हैं।

वृषभ — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाली जातको की बात करें तो कल आपके दफ्तर में आपको अपना कार्य पूरी टीम की मदद से करना चाहिए , टीम के सहयोग से आपके कार्य आसान हो जाएंगे और आपका कार्य जल्दी भी समाप्त हो जाएगा.आप परेशान ना हो, धैर्य से काम करें तो आपका कारोबार काफी उन्नति कर सकता है.

मिथुन — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको आपके दफ्तर में कामकाज का बोझ कुछ हल्का रहेगा, जिससे आप बहुत अधिक रिलैक्स महसूस करेंगे. आप अपने फ्यूचर के लिए कुछ अच्छा प्लान कर सकते हैं. व्यापार में आपको लाभ की प्राप्ति हो सकती है।

कर्क — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो आप अपने किसी फिक्स कार्य को समय से पूरा होने पर अपने आप पर बहुत अधिक कॉन्फिडेंट रहेंगे. कार्य पूरा होने पर आपको आत्म संतुष्टि मिलेगी. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो आपका व्यापार तो बहुत अच्छा चलेगा.

सिंह — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने दिन दफ्तर में कार्य के दौरान ही अपने किए गए कार्यों को दोबारा से रिचेक अवश्य करें, ताकि आप गलतियों को दोबारा से पकड़ सके। व्यापारियों को कल अच्छा लाभ मिल सकता है.

कन्या — कल का दिन अच्छा रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके ऑफिस के आपसी संबंध आपको उन्नति की मार्ग पर ले जाएंगे, इन संबंधों को आप बनाए रखें. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने व्यापार में थोड़ा सा सावधान रहे. अपने अधीन कार्य करने वाले जातकों पर कड़ी निगरानी रखें.

तुला — कल का दिन अच्छा रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो बैंक से जुड़े हुए लोगों को कल प्रमोशन मिलने की संभावना दिख रही है. आपकी उन्नति हो सकती है. आपके वेतन में बढ़ोतरी भी हो सकती है. आपके अधिकारी आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे. व्यापारियों को कल किसी प्रकार का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

वृश्चिक — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने दफ्तर में किसी प्रकार की योजना के अनुसार कार्य करने में सक्षम ना रहे तो आप परेशान बिल्कुल ना हो, आपको इसके कारण कोई फर्क नहीं पड़ेगा. पुराना रुका हुआ पेमेंट प्राप्त हो सकता है.

धनु — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो आप अपने कार्यों में कुछ परिवर्तन स्वयं ही कर सकते हैं. इससे आपके अधिकारी आपके आइडिया से बहुत अधिक प्रसन्न रहेंगे. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो व्यापार के कार्यों में कल कुछ रुकावटें और विघ्न पैदा हो सकते हैं।

मकर — कल का दिन अच्छा रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो आप अपने अधीन कार्य करने वाले जातकों की टीम के द्वारा ही किसी कार्य को पूरा करने में सफल रहेंगे. आपके साथ-साथ आपकी पूरी टीम की भी तारीफ की जाएगी. आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है.

कुंभ — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको अपने दफ्तर में बहुत अधिक परेशान करना होगा, परंतु बाद में आपको बड़ा ही संतोषजनक आरंभ प्राप्त हो सकता है. वह बिना परिश्रम के अच्छे फल की कामना करते हैं तो आपके साथ गलत होगा.

मीन — कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो टारगेट बेस्ट कार्य को करने वाले जातकों को कल थोड़ा सा सावधान रहना चाहिए. कंपनी की ओर से मिले टारगेट को पूरा करने में बहुत अधिक मेहनत करनी होगी. आपके ऊपर कार्य का बहुत अधिक दबाव बन सकता है.

सामयिक चर्चा

विरोधी भी चाहते है ट्रम्प का पत्ता

अखबार का कॉलम 'विश्लेषण' पढ़कर,
बानी ने पूछा - गजाधर!
क्या ईडी की है नजर
केवल विपक्ष की सरकारों और नेताओं पर?
इस पर आप क्या मत व्यक्त करते हैं?''
गजाधर मुस्कराए बोले-
''बानी! देखो! हम तो हमेशा
यही कहते है- जिनके पास सत्ता है,
उनके पास ट्रम्प का पत्ता है।
और बानी! तुम तो खुद,
ताश के खिलाड़ी हो,
तुम तो जानते हो,
ट्रम्प का पत्ता बड़ा मजबूत,
बड़ा सहजोर होता है,
उसके सामने विरोधी खिलाड़ी की
मेम क्या, बादशाह भी,
कमजोर होता है।
इसीलिए तो भैया!
विरोधी भी सत्ता चाहते हैं।
तो वे सत्ता के लिए
दस किसम की हिकमत को
सही मानते हैं
क्योंकि वे ट्रम्प के पत्ते का महत्व
बखूबी समझते हैं और जानते हैं।''

गिरीश बख्शी

कविता

हमारे राम आ रहे हैं

यह सोचकर प्राचीर में अरूण ने
सिंदूर बिखेर है दिया दूब उससे ली है नहा,
सरयू ने अपने घाटों में उसे घोल है लिया।
हमारे राम आ रहे हैं
यह सोचकर
अयोध्या बधावा है गा रही
दीपावलियां कतारबद्ध होकर
मंथर-मंथर हैं नाच रही।
हमारे राम आ रहे हैं
यह सोचकर महिलाएं शबरी
बनकर झरबेरी से बेर
झड़ा हैं रही फूलों को सारे रास्तों पर
हैं बिछा रही। हमारे राम आ रहे हैं
यह सोचकर सारे नर
शिव बनकर डमरू है बजा रहे
उनके उमंग से चारों ओर खुशी के
चाँद हैं जगमगा रहे।
हमारे राम आ रहे हैं यह सोचकर नदियों
में नौकाएं हैं सज रही
मल्लाहों की आंखें निषादराज की
तरह हैं तरस रही। हमारे राम आ रहे हैं
यह सोचकर रास्ते के पत्थर भी
विलाप हैं कर रहे पुनः उनके भाग्य बदल जाए
यह आस हैं कर रहे। यह विनय है राम
आपको आना ही पड़ेगा अब तो
सारी आँखों की प्यास
बुझाना ही पड़ेगा अब तो।

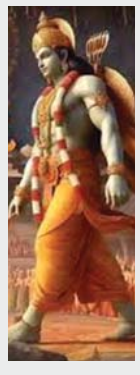

राजेश चौबे, राजनांदगांव

मनोहर गौशाला का धूमधाम से मना 10वां स्थापना दिवस

वेद व विज्ञान को जोड़ने का काम कर रही मनोहर गौशाला - चंदेल मुंबई के गौप्रेमी विजय भाई वोरा को दिया गया गौ सेवा रत्न अलंकरण सम्मान

खैरागढ़, (दावा)। मनोहर गौशाला में प्रभु पार्श्वनाथ पंच कल्याणक पूजन और 10वां स्थापना दिवस शनिवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि गौशाला में ऋषियों के बताए मार्ग पर काम किया जा रहा है। यहां गोबर व गो-मूत्र से कई अतुलनीय कार्य किए जा रहे हैं।। हमने पहली बार किसी गौशाला में देखा है,जहां वेद व विज्ञान को जोड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गौशाला में हो रहे रिसर्च पर हमारे 11 वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। गौशाला के रिसर्च में आगे जो भी कार्य करने होंगे, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की टीम इसमें जुटेगी।

कार्यक्रम में मौजूद विशेष अतिथि मुंबई के वरिष्ठ समाज सेवी एवं जीवदया प्रेमी विजय भाई वोरा थे। वोरा को भारत की बड़ी संख्या में गौशालाओं की सेवा करने के लिए गौ सेवा रत्न अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। यह अलंकरण दो साल पहले पूर्व राज्यपाल अनुसूइया उइके को दिया गया था।। कार्यक्रम का संचालन गगन बरडिया रायपुर ने किया। इस अवसर पर राजेश बरलोटा, ओमप्रकाश बरलोटा रायपुर, जैन समाज के अध्यक्ष खैरागढ़ राजेंद्र डाकलिया, अमरावती गोकुलम संस्थान के अध्यक्ष डॉ. हेमंत मुरके सहित कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार के बड़ी संख्या में गौसेवा प्रेमी मौजूद थे।

फसल अमृत को लेकर होंगे कई कार्य कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि विवि के डायरेक्टर ऑफ रिसर्च डॉ. विवेक त्रिपाठी ने गौशाला द्वारा बनाई गई फसल अमृत की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर सभी गौशालाओं में ऐसा कार्य होने लगे तो किसानों की आय के साथ ही लोग समृद्ध हो सकेंगे। फसल अमृत के उपयोग से खेत में 25 प्रतिशत यूरिया कम पड़ेगी। इसे लेकर आगे चलकर और बड़ा काम किया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वंदना ग्रुप चेयरमैन रायपुर गोपाल अग्रवाल, डॉ. विनय बौथरा अमरावती, गोंदिया के महंत रामज्ञानीदास महात्यागी उपस्थित रहे।

गौशाला को अब तक मिले 5 गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

मैनेजिंग ट्रस्टी पदम डाकलिया ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गोल्डन ऑफ बुक रिकार्ड की डायरेक्टर डॉ. सोनल शर्मा मौजूद थी। उन्होंने गौशाला को 70 हजार लीटर फसल अमृत निशुल्क प्रदान करने के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के लिए बनाई गई गोबर की चटाई के लिए भी ऑनस्पार्ट गोल्डन ऑफ बुक रिकार्ड प्रदान किया। इसके साथ ही गौशाला को अब तक पांच वर्ल्ड रिकॉर्ड मिल चुके हैं।

3 हजार पौधों से बनाया जा रहा स्वनिर्मित जंगल

गौशाला के पास 3 हजार पौधे लगाकर जंगल बनाया जा रहा है।। अब यह पौधे बड़े होने लगे हैं। यहां आए अतिथि इसे देखकर प्रफ्फुलित हो उठे। यहां 11 सौ गौवंश के लिए शेड एवं पशु चिकित्सालय का निर्माण जारी है। इसका भी अवलोकन किया गया। इसके अलावा फसल अमृत, गौ अर्क के निर्माण की प्रक्रिया भी देखी गई। लोगों ने दुर्लभ कामधेनु माता और पार्श्वनाथ भगवान की पूजा-दर्शन कर आर्शीवाद लिया।

खैरागढ़ विश्वविद्यालय की शोधार्थी रीना गौतम को मिली पीएचडी की उपाधि

खैरागढ़ (दावा)। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के ग्राफिक्स विभाग से शोध छात्रा रीना गौतम ने पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। डॉ. रबी नारायण गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, ग्राफिक्स विभाग के निर्देशन में रीना गौतम ने 'उत्तर भारत के प्रमुख कला केन्द्रों का समकालीन छापाकला के विकास में योगदान-एक अध्ययन' विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया है। बाह्य परीक्षक के रुप में आमंत्रित डॉ. राखी कुमारी, सहायक प्राध्यापक, पटना विश्वविद्यालय, पटना ने इस शोध कार्य की प्रशंसा की। दृश्यकला संकाय के अधिष्ठाता एवं ग्राफिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. डॉ. राजन यादव, प्रभारी-शोध विभाग प्रो. डॉ. मृदुला शुक्ल, मूर्तिकला के सहायक प्राध्यापक डॉ. छगेन्द्र उसेण्डी, अतिथि व्याख्याता उमेश नेताम, संकाय के शोधार्थी निहारिका, नूतन किशोर निषाद, घाटा दिनु कचरू ने रीना गौतम की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है।

दो दिवसीय संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। संकुल भर्रेगांव में 4 एवं 5 जनवरी को दो दिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रोहित चन्द्राकर उपसरपंच ग्राम पंचायत भर्रेगांव, विशिष्ट अतिथि के रूप में आर.के.चौबे सेवानिवृत्त, प्रा.शा. पारींखुर्द, जे.आर.साहू सेवानिवृत्त उच्च वर्ग शिक्षक मा.शाला भरेगांव तथा आर.डी.सेवानिवृत्त शिक्षक उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ बच्चों के मार्च पास्ट की सलामी लेते हुए हुआ। मुख्य अतिथि श्री चन्द्राकर ने बच्चों को खेल भावना के साथ खेलों में बेहतर प्रदर्शन का संदेश दिया। विभिन्न खेल जैसे-दौड़, कबड्डी, खो-खो, रिलेरेस आदि में बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। द्वितीय दिवस के खेल का रोमांच और भी अधिक रहा। अधिकांश खेलों के फाइनल मैच द्वितीय दिवस में सम्पन्न हुए।

समापन समारोह में संकुल प्राचार्य श्रीमती एम. विजयन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति में अंतिम मैच बालिका कबड्डी, मा.शा. मोखला व मा.शा.-पारींखुर्द के बीच खेला गया। जिममें माध्यमिक शाला पारींखुर्द की बच्चियों ने बाजी मारी। प्राचार्य मैम ने विजेता व उपविजेता टीमों को बधाई दी। खेल समाप्ति के पश्चात विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार का वितरण किया गया। प्राथमिक विभाग में ईशांत प्रा.शा. भर्रेगांव को चैंपियन खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। माध्यमिक विभाग में उज्जवल कुमार निषाद, मा.शाला. पारींखुर्द व कु. गुंजा पटेल मा. शा.भर्रेगांव को चैंपियन खिलाड़ी के रूप में पुरस्कृत किया गया। चैपियन शाला के रूप में प्राथमिक विभाग से प्रा.शा. मोखला व उपचैंपियन शाला के रूप में प्रा.शा. पारींखुर्द को पुरस्कार प्रदान किया गया। माध्यमिक विभाग से मा.शा. मोखला व मा.शाला पारींखुर्द दोनों ने बराबर अंक प्राप्त करते हुए चैंपियन शाला का खिताब प्राप्त किए। दोनों खेल दिवस में सभी प्रतिभागी बच्चों व उपस्थित शिक्षकों के लिए सरपंच, ग्राम पंचायत भर्रेगांव द्वारा भोजन व्यवस्था रखी गई थी, भोजन व्यवस्था प्रा.शा. व मा.शा. भर्रेगांव स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। दो दिवसीय क्रीडा प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु संकुल समन्वयक भूपेश कुमार साहू ने सभी शालाओं के शिक्षक, प्रतिभागी बच्चों व अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

घुमका में श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का हुआ समापन

घुमका (दावा)। गौरव ग्राम घुमका के ग्राम पंचायत प्रांगण में राजपूत चंदेल परिवार द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का सोमवार को समापन हुआ। कथा के 9 में दिन सोमवार को रेवे बेरला वाले कथाकार श्रीकांत जोशी ने शिवपूजन की विधि एवं नियमों को बताया। उन्होंने भगवान शिव को विभिन्न प्रकार के अभिषेक का महत्व बताते हुए शांति पाठ जलाभिषेक रुद्राभिषेक बेलपत्र, दूध, दही, मधुरस, काले तिल गन्ना रस, शक्कर, धतूरा फूल के अभिषेक का महत्व एवं उससे होने वाले लाभ को विस्तार से बताया।

महापुराण के 9वें दिन रूद्राक्ष महिमा पर भी प्रकाश डाला बताया कि 1 से 27 मुख तक का रुद्राक्ष भारत विभिन्न स्थानों में पाया जाता है, जिसका रंग श्वेत रक्त रंग पीला एवं काले रंग का पाया जाता है। सभी अलग-अलग आकार के होते हैं आंवला के समान आकार वाला रुद्राक्ष को प्रमाणित एवं उपयोगी व लाभकारी बताया उन्होंने एक मुखी से लेकर 15 मुखी तक के रूप रुद्राक्ष को धारण करने से होने वाले लाभ इससे अवगत कराया। उन्होंने कहा कि रुद्राक्ष में स्वयं शिवजी विराजित है रुद्राक्ष ही शिवजी है उन्होंने कहा कि असल रुद्राक्ष पानी में डूब जाता है, रुद्राक्ष नकारात्मक भाव को नष्ट करती है एवं सकारात्मक भाव पैदा करती है वैज्ञानिक कौन है इसका शोध कर इसे प्रमाणित किया है।

मम्मी तेरी मां के दिल में क्या पूछा गया है रुद्राक्ष धारण करने से आत्मविश्वास बढ़ता है इच्छा शक्ति मजबूत होता है भूत प्रेत की बाधा से मुक्त होते हैं मानसिक शांति मिलती है बुरे सपने से मुक्ति रक्तचाप को संतुलित करना चेचक के रोगीयों के लिए विशेष महत्व मानसिक रोगियों के लिए रुद्राक्ष फायदेमंद है पुरानी से पुरानी खांसी दूर होती है इस तरह उन्होंने रुद्राक्ष के महत्व को बताया। कथा समापन के बाद शोभायात्रा निकाली गई जो गौरव ग्राम के प्रमुख मार्गों से शीतला मंदिर पहुंची शोभायात्रा में शामिल भक्ति में लीन भक्त जमकर झूमे नाचे व भक्ति का आनंद लिया, शोभायात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुए।

आज स्वास्थ्य परीक्षण एवं जाँच शिविर

डोंगरगढ़(दावा)। दिनांक 09 जनवरी दिन मंगलवार को मजदूर कांग्रेस एवं सहयोग हॉस्पिटल, गोंदिया के सहयोग से विशेषज्ञ चिकित्सक एवं उनके जाँच दल द्वारा कम्युनिटी हॉल डोंगरगढ़ में रेलवे कर्मचारी/रेलवे सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं उनके परिवार का स्वास्थ परीक्षण एवं शारीरिक जाँच किया जायेगा। शाखा सचिव अनिल पोद्दार ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि, आप सभी इस विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं जाँच शिविर में उपस्थित होकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें। मजदूर कॉंग्रेस आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करती है ।

महाप्रसादी भंडारा का आयोजन भी हुआ जिसमें ग्रामीण शामिल हुए

कार्यक्रम को सफल बनाने में राजपूत चंदेल परिवार के कुमार सिंह, कमला देवी, जय करण सिंह, सावित्री देवी, मोहिनी देवी, योगेंद्र सिंह, रानू देवी, भोजराज सिंह, वंदनादेवी, कुलदीप सिंह, दीपिका देवी, युवराज सिंह, ममता देवी, मनीष, मौली देवी, नवनीत सिंह, रिया देवी, अनीता, निरंजन सिंह, रंजीता, अजय सिंह, आशु सिंह, अनुराग सिंह, अनोखी, युक्त, पीहू आदेश एवं राजपूत चंदेल परिवार तथा कृष्णा यदु, करण यादव, संतोष साहू, कुंन्तु श्रीवास एवं ग्रामीणों का सहयोग रहा।

श्री शिव महापुराण कथा के अंतिम दिवस नवे दिन भगवान शिव की भक्ति करने का विधिविधान बताया एवं रुद्राक्ष का महत्व एवं उसकी उत्पत्ति पर विस्तार से जानकारी देते हुए कथाकार श्रीकांत जोशी, श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण करते श्रोतागण उपस्थित रहे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिये वार्डो में शिविर

राजनांदगांव (दावा)। नगर के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नगर निगम द्वारा प्रतिमाह पेंशन का भुगतान वार्डो में शिविर लगाकर किया जाता है। इसी कडी में हितग्राहियों को माह नवम्बर का पेंशन भुगतान के लिये वार्डो में 21 दिसम्बर 2023 से 17 जनवरी 2024 तक प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 9 जनवरी को गुरूघासीदास वार्ड नं. 40 व नंदई वार्ड नं. 48 के लिये सामुदायिक भवन नंदई नाका में, झुलेलाल वार्ड नं.41 के लिये झुलेलाल सामुदायिक भवन में, 10 जनवरी को महावीर वार्ड नं. 37 के लिये गंज पारा स्कूल में, दिग्विजय वार्ड नं. 38 के लिये पार्षद कार्यालय ब्राम्हण पारा में, हीरामोती वार्ड नं. 39 के लिये सार्वजनिक भवन नाकेश्वर मंदिर में, 11 जनवरी को रविदास वार्ड नं. 20 के लिये पेण्ड्री स्कूल में, मेडिकल कालेज वार्ड नं. 21 के लिये आंगनबाडी केन्द्र पेण्ड्री में व रेवाडीह आशा नगर वार्ड नं. 22 के लिये रेवाडीह स्कूल में एवं 12 जनवरी को गुरू गोविंद सिंह वार्ड नं. 24 के लिये सिंधु धर्मशाला लालबाग में, शीतला माता वार्ड नं. 25 के लिये पुत्री शाला में व सुर्यमुखी देवी वार्ड नं. 26 के लिये सत्यनारायण धर्मशाला के बाजू पार्षद कार्यालय में शिविर का आयोजन किया गया है। शेष वार्डो के लिये शिविर का आयोजन किया जायेगा। निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों से वार्डो में आयोजित शिविर में प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक उपस्थित होकर माह नवम्बर 2023 की पेशन का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने शिविर में लगे कर्मियों से कहा कि समाजिक सुरक्षा पेंशन का कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देवे एवं कोई भी हितग्राही पेंशन लेने से वंचित न रहे, इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे।

संकुल मनेरी में बालक्रीडा प्रतियोगिता का हुआ समापन

विद्यालय में मनेरी बना चैम्पियन प्राथमिक विभाग से जामसरार

डोंगरगांव (दावा)। विकासखण्ड अंतर्गत संकुल समग्र शिक्षा केन्द्र मनेरी में बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन माध्यमिक विद्यालय में मनेरी चैम्पियन बना।, प्राथमिक विभाग से जामसरार चैंपियन बना। 4 जनवरी दिन गुरुवार को जामसरार खेल मैदान में बालक्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य ए.आर.साहु के मुख्य आतिथ्य, श्रीमती नरबद बाई चंद्रवंशी जनपद सदस्य की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, तो वहीं समापन कार्यक्रम में मुख्य आतिथ्य श्रीमती जागृति यदु जिला पंचायत सदस्य, संतोष वैष्णव पूर्व जिला पंचायत सदस्य की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय जामसरार के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी गई।

इस मौके पर प्राचार्य ए.आर. साहू, संकुल समन्वयक नीलमणी साहू, रोम नाथ श्रीवास, रोशन वैष्णव, डी.पी.साहु, किशन देशमुख, गैदलाल डहरे, विनोद शर्मा, माधव साहु, योगेश निषाद, खेमलता खरे, सावित्री नेताम, भुनेश्वरी कोर्राम, पूनम जोशी, सादिका अंसारी, रुकैया हांफी, छत्रपति गुरु, रमा भीमटे, राजकुमार ठाकुर, कविता शर्मा, सेमन सोनकर, केशरी देवांगन, सरस्वती सिन्हा, सुमन यादव, नीता साहु, भुनेश्वर चन्द्रवंशी, गुलाब देवांगन, चंदू साहु, सुमन लता मंडावी, कीर्ति सिन्हा, सबाना हासमी, सरिता यादव, राजेंद्र निषाद, हरिशंकर देवांगन, तोमन चन्द्रवंशी डाइट के प्रशिक्षार्थी प्रियंका साहू, जयंत यादव, रविंद्र कुमार, गुमान वर्मा, हुसैन कुमार सहित प्राथमिक - माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की मौजूदगी रही।

उक्त क्रीड़ा स्पर्धा में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ में कुमारी प्राची, 400 मीटर लेखनी 600 मीटर तिमेश विश्वकर्मा, लंबी कूद दामिनी, गोला फेंक माधुरी बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में 100 मीटर एवं लंबी कूद वेद प्रकाश, 200 मीटर देवकुमार, 400 मीटर मौसम, 600 मीटर टीकम राम, गोला फेंक टिकेश्वर, वहीं सामूहिक खेल में रस्सी कसी मनेरी खो-खो एवं कबड्डी में गुंगेरी नवागांव बालिका वर्ग एवं बालक वर्ग में खो-खो कबड्डी में गिरगांव, रस्सा कस्सी गूंगेरी नवागांव ने जीत हासिल किया। बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में महिला कमांडो एवं जामसरार युवा साथी विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपास्थित थे।

चोरी का सामान के साथ आरोपी गिरफ्तार

चोरी गुण्डा बदमाश किस्म के आदतन अपराधी चढ़ा पुलिस के हत्थे

आरोपी को भेजा गया रिमाण्ड पर

गंडई पंडरिया (दावा)। रविवार को प्रार्थी नारद कुमार साहू पिता पुन्नुराम साहू देवपुरा निवासी ने गंडई थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि रविवार को मोटर गैरेज के पास खड़ी गाडी से उसके पार्ट्स ए.सी.एम. प्लेट कीमत 25000 रू. को अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर ले गया है। थाना गंडई में अपराध क्रमांक 09/2024 धारा 379 भादस. पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। तत्काल टीम तैयार कर प्रार्थी के गैरेज के पास खड़ी कार का ए.सी.एम. प्लेट कीमत 25000 हजार रूपये को चोरी करने वाले आरोपी आमीन सोलंकी को उसके मोहल्ले में घेराबंदी कर हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया एवं चोरी का समान बरामद कर आरोपी को गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराकर गिरफ्तार ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है।

आज से ईव्हीएम एवं वीवीपैड मशीनों का डेमोस्ट्रेशन कार्य प्रारंभ

० नागरिकों को मतदान करने की प्रक्रिया की मिलेगी जानकारी
० कलेक्टर ने किया डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारंभ

मोह्ला (दावा)। लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए जिला मोह्ला मानपुर अंबागढ़ चौकी कलेक्ट्रट कार्यालय परिसर में आज से ईव्हीएम एवं वीवीपैड मशीनों के डेमोस्ट्रेशन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस जयवर्धन ने डेमोस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

डेमोस्ट्रेशन के जरिये नागरिकों को मतदान करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त होगी। जिला कार्यालय के साथ ही अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय मोहला एवं तहसील कार्यालयों में भी डेमोस्ट्रेशन कार्य प्रारंभ किया जायेगा। मोबाइल डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से मतदान केंद्रों में भी ईव्हीएम एवं वीवीपैड का प्रदर्शन किया जायेगा। लोगों को मतदान करने की प्रक्रिया से भली भांति अवगत कराया जायेगा।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ती गौते, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रेमलता चंदेल, डिप्टी कलेक्टर अविनाश ठाकुर, जिला मास्टर ट्रेनर शाहिद कुरेशी, अजय तिवारी उपस्थित थे। ईव्हीएम एवं वीवीपैड मशीनों के डेमोस्ट्रेशन के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह ने मतदान कर, मतदान प्रक्रिया से रूबरू हुए।

जन्मदिन पर पूर्व मंत्री पाटिला ने लिया मां बम्लेश्वरी का आशीर्वाद, कार्यकर्ताओं ने केक काटकर दी बधाई

डोंगरगढ़(दावा)। अविभाजित मध्यप्रदेश और छग सरकार के पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने जन्मदिन पर मां बम्लेश्वरी मंदिर दर्शन कर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर दर्शन पश्चात समर्थकों द्वारा केक काटकर पूर्व मंत्री धनेश पाटिला का जन्मदिन मनाया गया।

इस दौरान पीसीसी महामंत्री डॉ. थानेश्वर पाटिला, पीसीसी संयुक्त महामंत्री प्रदीप शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश सिन्हा, पूर्व नपाध्यक्ष धीरज मेश्राम, संध्या देशपांडे, संजीव गोमास्ता, संजय श्रीवास्तव, प्रमोद टेम्भूर्णीकर, शिव निषाद, शिशुपाल भारती, हरीश भंडारी, प्रमोद ठाकुर, संजय यादव, मतीन खान, बबलू शांडिल्य, जितेन्द्र भाटिया, रवि तिवारी, विजय अग्रवाल, गणेश मुदलियार, सुधीर शिन्दे, संजीव वशिष्ठ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डोंगरगढ़ में घटित हत्या के मामले में 3 आरोपियों सहित विधि से संघर्षरत बालक गिरफ्तार

फरार चल रहे थे आरोपी, अंततः चढ़े पुलिस के हत्थे

राजनांदगांव (दावा)। धर्मनगरी डोंगरगढ़ में नवरात्रि मेले के दौरान हुई हत्या की घटना में पुलिस ने 8 आरोपियों सहित एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया था। लेकिन उक्त घटना में शामिल अन्य आरोपी फरार चल रहे थे जिन्हें भी डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है।

बताया जाता है कि नवरात्रि के समय डोंगरगढ़ मेला घुमने आने के दौरान रेल्वे स्टेशन के पास इटली खाने के बाद जूठा प्लेट फेंकने की बात पर वाद विवाद हुआ था। जिसमें फरार आरोपी अनिमेश मेश्राम पिता मदन लाल मेश्राम (23 साल) व अविनाश राजपूत पिता स्व. रविन्द्र राजपूत (21 साल) दोनों निवासी स्टेशनपारा वार्ड नं.12, आर्यन साहू पिता अनिल साहू उम्र (19 साल) निवासी स्टेशनपारा वार्ड नं.13 एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया है।

डोंगरगढ़ थाना प्रभारी भरत बरेठ ने बताया कि गत 19 अक्टूबर 2023 के प्रातः 07.50 बजे रेल्वे स्टेशन रोड डोंगरगढ़ अन्ना इटली दुकान में आरोपीगण एवं आहत आदिल खान के बीच ईटली खाने को लेकर लड़ाई झगड़ा हुआ था। जिस पर आहत आदिल खान अपने साथी मृतक अक्षय लारोकर एवं सोहेल रजक एवं अन्य साथियों को बुलाया, जिससे विवाद बढ़कर गंभीर विवाद में तब्दील हो गया । इससे आरोपीगण एक राय होकर मृतक एवं आहत को धारदार चाकू से एवं हाथ मुक्का व ईट से मारपीट कर चोंट पहुचाकर हत्या कर दिये।

इस पर प्रार्थी ऋषभ लारोकर के रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के मार्ग निर्देशन में उनके स्वयं के नेतृत्व में सायबर टीम के साथ लगातार फरार आरोपियों की पतासाजी प्रारंभ कर दी गई थी। इसके तहत 8 आरोपियों एवं 2 विधि से संघर्षरत बालक को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। सोमवार 7 जनवरी को उक्त तीनों फरार आरोपीगण एवं एक विधि से संघर्षरत् बालक निवासी राजनांदगांव से पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करने एवं आहत द्वारा पहचान कार्यवाही करने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया तत्पश्चात न्यायालय में पेश किए जाने उपरांत ज्युडिशियल रिमाण्ड पर उन्हें जेल भेजा दिया गया है।

पहला कॉलम...

चोटिल सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस की बढ़ाई समस्या

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन से पहले मुंबई इंडियंस की टीम को तगड़ा झटका लगा है. मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का शुरुआती मैचों से बाहर रहना तय माना जा रहा है. सूर्यकुमार यादव को हर्निया की सर्जरी करवानी होगी. इस सर्जरी के चलते ही सूर्यकुमार करीब तीन महीने तक क्रिकेट के मैदान से दूर रह सकते हैं. चूंकि आईपीएल की शुरुआत मार्च के आखिरी हफ्ते में होने जा रही है इसलिए शुरुआती मैचों में सूर्यकुमार यादव का खेल पाना मुश्किल है. सूर्यकुमार यादव हर्निया के अलावा टखने की चोट से भी जूझ रहे हैं. वर्ल्ड कप के बाद सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज में हिस्सा लिया था. सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भी शानदार फॉर्म दिखाया और इसी सीरीज के आखिरी मुकाबले में वो चोटिल हुए. सूर्यकुमार यादव के टखने की चोट से जूझने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हुईं.

अफगानिस्तान से टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

मुंबई । अफगानिस्तान के खिलाफ 11 जनवरी से मोहाली में शुरू होने वाली आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की 14 महीने बाद सबसे छोटे फॉर्मेट में वापसी हुई है। रोहित फिर से टी20 टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। रोहित और कोहली ने आखिरी टी20 मैच टी20 वर्ल्ड कप 2022 में खेला था। दोनों ने कुछ समय पहले टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलने की ख्वाहिश जताई थी, जिसका आयोजन एक जून से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा। टी20 वर्ल्ड कप से पहले अफगानिस्तान सीरीज भारत की आखिरी टी20 इंटरनेशनल सीरीज है। बता दें कि भारत और अफगानिस्तान के बीच पहली बार टी20 सीरीज खेली जाएगी। पहला मैच 11 जनवरी को मोहाली, दूसरा 14 जनवरी को इंदौर जबकि तीसरा 17 जनवरी को बेंगलुरु में होगा। भारत की टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव , अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

सोना, चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में सोने की घरेलू वायदा कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव गिरावट के साथ ट्रेड करता दिखा है। सोमवार सुबह 5 फरवरी 2024 की डिलीवरी वाला सोना 0.32 फीसदी या 199 रुपये की गिरावट के साथ 62,358 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया। वैश्विक स्तर की बात करें, तो शुरुआती कारोबार में सोने का वायदा और हाजिर दोनों भाव गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे। सोने के साथ ही चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोमवार सुबह 5 मार्च 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 0.45 फीसदी या 328 रुपये की गिरावट के साथ 72,259 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखाई दी। वैश्विक बाजार की बात करें, तो सोमवार सुबह सोने की हाजिर और वायदा दोनों कीमतों में गिरावट देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 0.34 फीसदी या 6.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2042.90 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.44 फीसदी या 9.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2036.35 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

शेयर बाजार में भारी गिरावट

नई दिल्ली। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा. मुनाफावसूली के चलते बाजार में भारी बिकवाली देखी गई. बैंकिंग , एफएमसीजी और मिडकैप स्टॉक्स इस गिरावट की सबसे ज्यादा मार पड़ी है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 670 अंकों की गिरावट के साथ 71,355 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 198 अंकों की गिरावट के साथ 21,513 अंकों पर क्लोज हुआ है.

आज के ट्रेड में रियल एस्टेट और मीडिया सेक्टर को छोड़कर दूसरे सभी सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट रही. एनएसई का एफएमसीजी इंडेक्स 1000 अंक नीचे फिसलकर बंद हुआ है. निफ्टी बैंक में 700 अंकों से ज्यादा की गिरावट रही. इसके अलावा आईटी, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स जिसमें लगातार तेजी देखी जा रही है उसमें आज के सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली है.

आईसीसी ने प्लेयर ऑफ मंथ के लिए 3 खिलाड़ी को किया नॉमिनेट

नई दिल्ली।आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट कार्उंसिल) ने हाल ही में दिसंबर 2023 के लिए आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए तीन खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया है। दिसंबर के महीने में शानदार परफॉर्मेंस करने वाले खिलाड़ियों में से जिन 3 खिलाड़ियों को चुना गया है, उनमें से किसी एक प्लेयर को ये अवॉर्ड दिया जाएगा।

भारत खिलाड़ी का नाम शामिल नहीं

हैरानी वाली बात यह है कि इस बार प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए एक भी भारतीय खिलाड़ी का नाम शामिल नहीं है। आइए इस आर्टिकल के जरिए आपको बताते हैं किन तीन खिलाड़ियों को ढ्ढष्ट्ठ के इस अवॉर्ड के लिए चुना गया है।पहले नंबर पर है ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस का नाम, जिन्होंने साल 2023 में शानदार परफॉर्मेंस कर हर किसी का दिल जीता। पैट कमिंस ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और आईसीसी विश्व कप का खिताब अपनी कप्तानी में जीता और अब वह प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने के करीब है। दिसंबर के महीने में पैट कमिंस ने पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्होंने 19 विकेट लिए थे। लिस्ट में दूसरे नंबर पर है बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम का नाम, जिन्होंने दिसंबर के महीने में अच्छा परफॉर्मेंस किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट में कुल 10 विकेट लेकर उन्होंने कीवी बल्लेबाजों के होश उड़ाए थे। उन्होंने अपनी टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम रोल निभाया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला और प्लेयर ऑफ द सीरीज से भी नवाजा गया। लिस्ट में तीसरे नंबर पर है न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स का नाम, जिन्होंने टेस्ट सीरीज में शानदार परफॉर्म कर अपनी एक अलग छाप छोड़ी। बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में ग्लेन फिलिप्स ने पांच विकेट झटके।

आंतकियों ने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर किया विस्फोट, 6 लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को पोलियो टीकाकरण कार्यकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने जा रहे पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर एक बम विस्फोट किया गया। इस हादसे में छह पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए।

यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत के बाजौर जिले की मामुंड तहसील में हुई। जब विस्फोट हुआ तो, पुलिसकर्मी पोलियो टीकाकरण टीमों के साथ सुरक्षा ड्यूटी में शामिल होने के लिए वैन में चढ़े ही थे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया है, जहां आपातकाल घोषित कर दिया गया। विस्फोट में छह पुलिसकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि सभी घायल व्यक्ति पुलिसकर्मी हैं। कार्यवाहक मुख्यमंत्री केपीके अरशद हुसैन ने हमले की निंदा की और कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध आखिरी आतंकवादी के खात्मे तक जारी रहेगा। टीके के विरोध के कारण पाकिस्तान में पोलियो टीमों को अक्सर आतंकवादी निशाना बनाते हैं। हमले की जिम्मेदारी का तत्काल कोई दावा नहीं किया गया है, लेकिन पाकिस्तान तालिबान सहित इस्लामी आतंकवादियों ने पहले भी कई पोलियो टीकाकरण कार्यकर्ताओं और उनकी सुरक्षा करने वाले पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी है।

पिच विवाद और ज्यादा गहराया, सुनील गावस्कर अंग्रेजो पर भड़के; बोले- हम करें तो...

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच केपटाउन में खेला गया. लेकिन यह टेस्ट महज 2 दिनों में खत्म हो गया. भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराया. लेकिन केपटाउन की पिच पर खूब विवाद हुआ. वहीं, अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर केपटाउन की पिच पर अपनी भड़ास निकाली है. साथ ही लिटिल मास्टर ने साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया. सुनील गावस्कर का मानना है कि पिच को लेकर इन देशों का दोहरा मापदंड है, जो सही नहीं है.

सुनील गावस्कर ने कहा कि केपटाउन की पिच पर जिस तरह क्यूरेटर अपनी सफाई दे रहे हैं, वो सरासर गलत हैं. इन देशों के क्यूरेटर इस तरह की झूठी सफाई देते रहे हैं. इसके अलावा लिटिल मास्टर ने भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज को याद किया, जो पिछले साल खेली गई थी. उन्होंने कहा कि अगर हमारे ग्राउंड्समैन सूखी विकेट तैयार करते हैं तो उन्हें रास नहीं आती. अगर हमारे ग्राउंड्समैन करते हैं तो जानबूझकर करते हैं, लेकिन अगर वो करें तो गलती है... ये दोहरा मापदंड किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है.

हालांकि, पिछले दिनों पूर्व साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी एबी डी विलियर्स ने केपटाउन की पिच का बचाव किया था. उन्होंने कहा था कि पिच में कोई बुराई नहीं थी. अगर शुरूआती सेशन को बल्लेबाज अच्छे से खेल जाते तो फिर बल्लेबाजी आसान हो जाती, मेरे राय में पिच टेस्ट क्रिकेट के लिए बिल्कुल अच्छी विकेट थी.

रोहित-विराट के बाद केएल राहुल की भी होगी टी20 टीम में वापसी?

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न खेलने के तमाम कयासों के बावजूद रोहित और विराट क्रिकेट के इस सबसे छोटे फॉर्मेट में लौट आए हैं. अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में यह दोनों दिग्गज मैदान में होंगे. इसी के साथ यह भी साफ हो गया है कि बीसीसीआई इन दोनों खिलाड़ियों को टी20 वर्ल्ड कप में देखना चाहता है और इसीलिए साल भर से ज्यादा लंबे ब्रेक के बाद इनकी टी20 स्क्वाड में वापसी हुई है.

रोहित और विराट का तो टी20 वर्ल्ड कप खेलना अब लगभग तय है लेकिन अब केएल राहुल को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं. रोहित-विराट की वापसी से केएल के लिए अब टीम में जगह बनाना थोड़ा मुश्किल नजर आ रहा है. ऐसा इसलिए है क्योंकि टीम इंडिया में वर्तमान में युवा खिलाड़ी लाजवाब प्रदर्शन कर रहे हैं. यशस्वी, तिलक और रिंकू सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में बैक टू बैक अच्छी पारियां खेली हैं. फिर, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों की जगह भी तय है. ऋतुराज गायकवाड़ और शुभमन गिल भी ताल ठोंक रहे हैं. ऐसे में अब केएल राहुल की टी20 टीम में वापसी होगी भी या नहीं? यह एक बड़ा सवाल है. केएल राहुल को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर जरूर रखा गया है लेकिन उनके लिए अभी टी20 के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं. फिलहाल तो उन्हें इंग्लैंड सीरीज को देखते हुए आराम दिया गया है. वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज का हिस्सा रहे हैं और बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के साथ उन्हें वनडे में कप्तानी का भार भी ढोया है. ऐसे में चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की लंबी सीरीज को देखते हुए उन्हें आराम देना का फैसला किया. हालांकि एक चर्चा यह भी है कि केएल राहुल कई मौकों पर टी20 क्रिकेट में बेहद धीमी बल्लेबाजी करते देखे गए हैं और उनकी तुलना में भारत के पास बेहतर विकल्प हैं।

बांग्लादेश में चुनाव जीतने के बाद गुंडागर्दी पर उतरे शाकिब अल हसन!

नई दिल्ली। बांग्लादेश के स्टार क्रिकेटर और कप्तान शाकिब अल हसन ने चुनावी मैदान में भी जीत का परचम लहरा दिया. हालांकि, ये चुनावी जीत उनको हजम नहीं हो रही है. बांग्लादेश में चुनाव जीतने के तुरंत बाद ही उनका एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी तेजी से वायरल हो रहा, जिसमें उन्होंने अपने एक फैन को चांटा रसीद कर दिया.

बताया जा रहा है कि शाकिब अल हसन अपने चुनावी क्षेत्र में गए थे, जहां पर सैकड़ों की संख्या में उनके चाहने वालों ने चारों तरफ से घेर लिया. इसके बाद एक ब्लू शर्ट में खड़े शख्स ने उन्हें पीछे से पकड़ लिया, जिसके बाद शाकिब अल हसन गुस्से में आ गए और पीछे मुड़कर जोर एक चांटा रसीद कर दिया. इसके बाद सारे प्रशंसक शांत हो गए.

शाकिब अल हसन जो देश में एक बड़ी हस्ती हैं. अब चुनाव जीतने के बाद कई प्रशंसकों ने उनके साथ तस्वीर लेने या हाथ मिलाने के लिए घेर लिया था. लेकिन जब उनमें से एक ने पीछे से उनका हाथ पकड़ने की कोशिश की, तभी क्रिकेटर ने अपना आपा खो दिया और उसके चेहरे पर तमाचा जड़ दिया. हालांकि, ये पहली बार नहीं है, जब उनका नाम किसी विवाद से जुड़ा है. इसे पहले उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर अंपायर के साथ बहस कर ली थी और बीते क्रिकेट वर्ल्ड कप में श्रीलंका के क्रिकेटर एंजेलो मैथ्यूज के खिलाफ टाइम आउट की अपील कर दी थी.

बांग्लादेशी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने इस बार राष्ट्रीय चुनाव लड़ा था. उन्होंने रविवार (7 जनवरी) को देश की संसद में अपनी जगह बनाई.

स्वितोलिना को हराकर गॉफ ने ऑकलैंड खिताब का किया बचाव

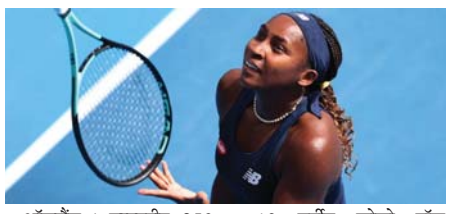

ऑकलैंड । डब्ल्यूटीए 250 इवेंट के रोमांचक फाइनल में नंबर 1 सीड अमेरिकी कोको गॉफ ने अपने एएसबी क्लासिक खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया और एलिना स्वितोलिना के प्रयास को नाकाम करते हुए 6-7(4), 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की।

युवा अमेरिकी कोको गॉफ ने दो घंटे और 35 मिनट के मैच के बाद यूक्रेन की स्वितोलिना पर जीत हासिल की और अपने करियर का सातवां डब्ल्यूटीए टूर एकल खिताब जीता।

19 वर्षीय कोको गॉफ ऑकलैंड में बैक-टू-बैक खिताब जीतने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले पैटी फेंडिक (1988 और 1989), एलेनी डेनिलिडो (2003 और 2004) और जूलिया जॉर्जेस (2018 और 2019) का नाम दर्ज है।

डब्ल्यूटीए के अनुसार, मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन गॉफ ने ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के हार्ड कोर्ट पर एक और जीत के बाद अब एएसबी क्लासिक में लगातार 10 मैच जीते हैं।

आतंकी हमले को लेकर हाई अलर्ट पर स्वीडन!

नई दिल्ली। यूरोपीय देश स्वीडन में बीते साल कुरान जलाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था. इसकी वजह से दुनिया के कई मुस्लिम देशों ने स्वीडन का विरोध किया था. इसी बीच स्वीडिश सिक्योरिटी पुलिस ने रविवार (7 जनवरी) को जानकारी दी कि देश में आतंकी हमले का खतरा बरकरार है.

स्वीडिश सिक्योरिटी सर्विस ने एक बयान में कहा कि नॉर्डिक देश के खिलाफ आतंकवादी खतरे को लेकर अलग-अलग लेवल 4 डिग्री हैं . इस बार ये लेवल 5-डिग्री के पैमाने पर दर्ज किया गया है. नॉर्डिक देश स्वीडन में आतंकवादी खतरे का स्तर पिछले साल से बढ़ाया गया है, जिसके पीछे की मुख्य वजह इस्लामिक धर्म ग्रंथ कुरान के अपमान को बताया जा रहा है.

स्वीडिश सिक्योरिटी सर्विस ने अपने बयान में कहा कि स्वीडन की जो छवि इस्लाम के प्रति शत्रुतापूर्ण देश के तौर पर बनाई गई है, उसने देश में इस्लामवाद से बढ़ते आतंकवादी खतरे को आग देने का काम किया है. इसको लेकर हमारी सरकार ने वार्षिक मूल्यांकन किया, जिसके बाद पता चला की हमें अभी भी देश की सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहना होगा. ये हमारे लिए बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा कि स्वीडन पर आतंकी हमले को लेकर दुनिया के कई आतंकी संगठनों ने धमकी भी दी है. इसके अलावा देश में भी मौजूद कुछ समूह ने हमला करने को लेकर धमकी दी है.

पेज 1 का शेष...

बिलकिस बानो के दोषी फिर ....

इस मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद ये बातें सामने आती हैं- 1. क्या पीड़िता द्वारा धारा 32 के तहत दायर याचिका सुनवाई योग्य है। 2. क्या छूट के आदेश पर सवाल उठाने वाली जनहित याचिकाएं मानने योग्य हैं। 3. क्या गुजरात सरकार छूट आदेश पारित करने में सक्षम थी। 4. क्या दोषियों को छूट का आदेश कानून के अनुसार दिया गया। शीर्ष अदालत ने माना कि 13 मई, 2022 का फैसला (जिसने गुजरात सरकार को दोषियों को माफ करने पर विचार करने का निर्देश दिया था) अदालत के साथ धोखाधड़ी करके और भौतिक तथ्यों को छिपाकर प्राप्त किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि दोषियों ने साफ हाथों से अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया था। यह देखते हुए कि राज्य (जहां अपराधी पर मुकदमा चलाया जाता है और सजा सुनाई जाती है) दोषियों की माफी याचिका पर फैसला करने में सक्षम है। शीर्ष अदालत ने कहा कि गुजरात ऐसा करने में सक्षम नहीं है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने 11 दिन की सुनवाई के बाद दोषियों की सजा में छूट को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं पर पिछले साल 12 अक्टूबर को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए केंद्र और गुजरात सरकार को 16 अक्टूबर तक 11 दोषियों की सजा में छूट संबंधी मूल रिकॉर्ड जमा करने का निर्देश दिया था। अदालत ने पिछले साल सितंबर में मामले की सुनवाई करते हुए पूछा था कि क्या दोषियों को माफी मांगने का मौलिक अधिकार है।

0 बानो केस में गुजरात सरकार को लेकर सुको की टिप्पणी- शीर्ष अदालत ने पहले की सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार से कहा था कि राज्य सरकारों को दोषियों को सजा में छूट देने में 'चयनात्मक रवैया' नहीं अपनाना चाहिए और प्रत्येक कैदी को सुधार तथा समाज के साथ फिर से जुड़ने का अवसर दिया जाना चाहिए। इस मामले में बिलकिस की याचिका के साथ ही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नेता सुभाषिनी अली, स्वतंत्र पत्रकार रेवती लाल और लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रूपरेखा वर्मा समेत अन्य ने जनहित याचिकाएं दायर कर सजा में छूट को चुनौती दी है। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने भी दोषियों की सजा में छूट और समय से पहले रिहाई के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है।

0 क्या है पूरा मामला?- बिलकिस बानो उस वक्त 21 वर्ष की थीं और पांच महीने की गर्भवती थीं, जब साम्प्रदायिक दंगों के दौरान उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। उसकी तीन वर्षीय बेटी परिवार के उन सात सदस्यों में शामिल थी, जिनकी दंगों के दौरान हत्या कर दी गई थी। पिछले साल 15 अगस्त को सभी 11 दोषियों को सजा में छूट दिए जाने और रिहा किए जाने के तुरंत बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनेताओं ने शीर्ष अदालत में कई याचिकाएं दायर की थीं। बिलकिस ने नवंबर में शीर्ष अदालत का रुख किया था। अदालत में दोषियों ने कहा था कि वे पहले ही बहुत कुछ झेल चुके हैं और 14 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। दोषियों ने कहा था कि उन्हें अपने परिवार के सदस्यों के साथ फिर से मिलने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह अनुरोध करते हुए कि उनकी स्वतंत्रता नहीं छीनी जानी चाहिए, उन्होंने कहा था कि अदालत को सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और उन्हें खुद को सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा- कुछ लोग ...

आदिवासी समाज के निचले स्तर पर जाकर काम करने का मौका मिला। सहयोगियों की ओर से कैबिनेट में गहन मंथन के बाद जनकल्याण के लिए योजनाएं तैयार की जाती हैं। दिल्ली में बनी यह योजनाएं कुशलता से जमीनी स्तर पर किस तरह से क्रियान्वित की जा रही हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा भी आयोजित की जा रही है। उत्तर बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्र की ओर से चलाई जा रही अनेक योजनाओं का किस तरह असर हुआ है। उन्होंने कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर के भानबेड़ा की हितग्राही भूमिका भूआर्य से ग्राम मनकेसरी में हुए कार्यक्रम में वर्चुअल संवाद किया। भूमिका ने बताया कि उसने बीएससी प्राइवेट किया है और यहां अपने गांव के 29 समूहों में से एक समूह से जुड़ी हुई हैं। प्रधानमंत्री ने भूमिका से पूछा कि उसे केंद्र सरकार की किन योजनाओं का लाभ मिला है। भूमिका ने बताया कि उसे वनधन योजना, उज्ज्वला योजना, नल जल, शौचालय, राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि, दो साल का बोनस आदि सभी योजनाओं का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपको तो सभी योजनाओं से मिला लाभ याद है। भूमिका ने कहा कि आपसे जो मिला है, उसे कैसे भूल सकते हैं।

0 पीएम ने किया आह्वान- बेटियों को पढ़ाएं- प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी से बात करके हमें काम करने की और हिम्मत आ जाती है। प्रधानमंत्री ने पूछा कि आपको इतनी सारी योजनाओं का पता कैसे चला और इन्हें प्राप्त करने में किसी तरह की तकलीफ नहीं हुई। भूमिका ने बताया कि इन्हें प्राप्त करने में कोई अड़चन नहीं आई, मम्मी पापा से मुझे यह जानकारी मिली। प्रधानमंत्री ने पूछा कि आपका छोटा भाई क्या करता है। भूमिका ने बताया कि वो कालेज में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आपके माता-पिता को प्रणाम करता हूं, जिन्होंने आप दोनों बच्चों को पढ़ाया। मैं जानता हूं कि बस्तर की जिंदगी कैसी है। आपके माता-पिता प्रणाम करने योग्य हैं, जिन्होंने बेटी को पढ़ाया और उसे पढ़ने भेजा। मैं यहां बैठी सभी माताओं को कहता हूं कि अपनी बेटियों को पढ़ाएं।

बांग्लादेश : शेख हसीना पांचवीं बार...

के बहिष्कार को नकार दिया। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, चुनावों में लगभग 40 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन ये आंकड़े गिनती पूरी होने तक बदल सकते हैं। 2018 के आम चुनावों में 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था। खालिदा जिया भ्रष्टाचार के दोष में नजरबंद- 78 वर्षीय खालिदा जिया भ्रष्टाचार के दोष में नजरबंद हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बीएनपी ने 2014 के चुनावों का भी बहिष्कार किया था। इस बीच, बीएनपी ने आम चुनावों को फर्जी बताते हुए कहा कि वह मंगलवार से शांतिपूर्ण सार्वजनिक भागीदारी कार्यक्रम के माध्यम से अपने सरकार विरोधी आंदोलन को तेज करने की योजना बना रही है। वहीं, अपना वोट डालने के बाद प्रधानमंत्री हसीना ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए लोग महत्वपूर्ण - हसीना- बीएनपी के बहिष्कार के बीच हुए चुनाव की स्वीकार्यता से जुड़े सवाल पर हसीना ने कहा, 'मेरे लिए महत्वपूर्ण यह है कि लोग इस चुनाव को स्वीकार करते हैं या नहीं। इसलिए मैं उनकी (विदेशी मीडिया) स्वीकार्यता की परवाह नहीं करती। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आतंकी पार्टी ने क्या कहा या नहीं कहा।' उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के यह आम चुनाव 100 से ज्यादा पर्यवेक्षकों की निगरानी में हुए, जिनमें से तीन भारत के थे। देश के पूर्व चुनाव आयुक्त ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) सखावत हुसैन ने कहा, 'यह अनोखा चुनाव है.. चुनाव के नतीजे निश्चित हैं, हर कोई जानता है कि कौन जीतने वाला है। एकमात्र अनिश्चित बात यह है कि विपक्षी सीटों पर कौन होगा।'

कोल घोटाले में जेल में बंद रानू साहू ....

ईडी ने छत्तीसगढ़ में जांच के बाद 540 करोड़ के कोल लेवी स्कैम का खुलासा किया था। इसमें आईएएस रानू साहू के अलावा आईएएस समीर विश्नोई, सौम्या चौरसिया, जेडी माइनिंग एसएस नाग और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को गिरफ्तार किया।

भाजपा राज में छत्तीसगढ़ बन गया है...

जो 2018 के पहले था। गोलियां मारकर लोगों को लूटा जाता था, अपराधी पकड़े नहीं जाते थे। एकबार फिर से गोलियाँ चल रही हैं, अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं। भाजपा का जंगलराज है राजधानी रायपुर में फिर से आ गया है। दीपक बैज ने कहा कि एक महिने में ही भाजपा की नई सरकार बेचारी और दिग्भ्रमित दिखने लगी है। इस कारण अपराधी और अराजकतत्व फिर सिर उठाने लगे हैं। राज्य में नक्सल गतिविधियां बढ़ गई हैं, अपराधी सरेआम गोलियां बरसा रहे हैं। यह स्थिति राज्य के नागरिकों के लिए चिंता पूर्ण है।

आम चुनाव के लिए युवाओं को तैयार कर रही...

इसी एप के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों पर भी निगरानी रखी जाएगी। मोदी का जुमला कैंपेन- इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ने के लिए प्रदेश युवा कांग्रेस इंटरनेट मीडिया का उपयोग करेगी। अलग-अलग प्लेटफार्म पर नए कैंपेन के जरिए ज्यादा से ज्यादा यूथ को पार्टी से जोड़ने और कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का काम करेगी। इसके लिए भी बैठक में रणनीति तैयार की गई है। प्रदेश में युवा कांग्रेस की ओर से नई सरकार की मोदी की गारंटी के बदले मोदी का जुमला अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। इस अभियान से युवाओं, महिलाओं और किसानों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

श्री डूंगरपुर सीट पर कांग्रेस जीती....

के जनसेवा कार्यों को समर्पित है। श्रीकरणपुर की जनता ने भाजपा के अभिमान को हराया है। चुनाव के बीच प्रत्याशी को मंत्री बनाकर आचार संहिता और नैतिकता की धज्जियां उड़ाने वाली भाजपा को जनता ने सबक सिखाया है।

0 टीटी को मंत्री बनाकर बीजेपी ने खेला था बड़ा दांव- उल्लेखनीय है कि बीजेपी ने हाल ही हुए अपने मंत्रिमंडल विस्तार में आनन-फानन में श्रीकरणपुर प्रत्याशी सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी को मंत्री बनाकर बड़ा दांव खेला था लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। टीटी को चुनाव जीतने से पहले ही मंत्री बनाने पर कांग्रेस ने कड़ा ऐतराज जताया था। उसने इसे चुनावों को प्रभावित करने वाला कदम बताते हुए चुनाव आयोग को अपनी शिकायत भी दर्ज कराई थी। टीटी पूर्व में श्रीकरणपुर से विधायक रह चुके हैं, वे पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार में राज्यमंत्री भी रहे थे।

शादी और इंगेजमेंट के लिए कर रहे ड्रीम डेस्टिनेशन की है तलाश ?

शादी जीवन में एक बार होती है, जिस कारण लोग उसे एकदम खास बनाना चाहते हैं. लोगों के पास विवाह के कई सपने होते हैं. इस तरह के माहौल को खास बनाने के लिए, महंगे कपड़े खरीदने से लेकर विशेष भोजन और सजावटों का आयोजन करने तक, लोग इस दिन को खास बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हैं. उसी समय, अधिकांश अपना सपना पूरा करते हुए इसे और खास बनाते हैं. इस तरह की स्थितियों में, कुछ स्थानों पर विवाह की योजना बनाकर, आप अपने विवाह को सभी के लिए यादगार बना सकते हैं.

एक सपने जैसे विवाह के लिए एक शानदार स्थान चुनना बहुत महत्वपूर्ण है. इस तरह की स्थितियों के लिए लोग अक्सर विवाह स्थल पर संदेह करते हैं. हम आपको कुछ सपने विवाह के लिए देश में कुछ सही स्थानों के नाम बताते हैं, जहां विवाह की योजना बनाना आपके जीवन का सर्वोत्तम अनुभव साबित हो सकता है -

उदयपुर

उदयपुर का इतिहास, नृत्य, और शानदार महलों के साथ एक प्रमुख विवाह स्थल है. दल लेक पलेस, जगमंदिर, और अनेक लेक साइड रिसॉर्ट्स यहां के आदर्श विवाह स्थल हैं.अधिकांश लोगों के दिमाग में सबसे पहला विचार उदयपुर का आता है. उदयपुर, जो सरोवरों के शहर के रूप में मशहूर है, पूरब का वेनिस कहलाता है. इस कारण उदयपुर कई हॉलीवुड और बॉलीवुड सेलेब्स का पसंदीदा विवाह स्थल भी है. इस तरह, उदयपुर में विवाह का प्लान बनाना भी आपके लिए एक बेस्ट अनुभव हो सकता है.

आगरा

आगरा विश्व के सातवें अजूबे, ताजमहल के लिए प्रसिद्ध है. लेकिन ताजमहल को देखते समय अपने साथी के साथ सात फेरे लेना जोड़ी के लिए एक शानदार अनुभव साबित हो सकता है. इस तरह की स्थिति में, आप अगरा को एक सपने विवाह का प्लान बना सकते हैं.

गोवा

समुद्र तट पर एक शादी का आनंद लेने के लिए, आप गोवा की ओर रुख कर सकते हैं. गोवा का नाम अधिकांश जोड़ियों के सपने विवाह में शामिल होता है. गोवा में समुद्र तट पर प्री-वेडिंग फोटोशूट करवाना भी सबसे अच्छा अनुभव साबित हो सकता है.

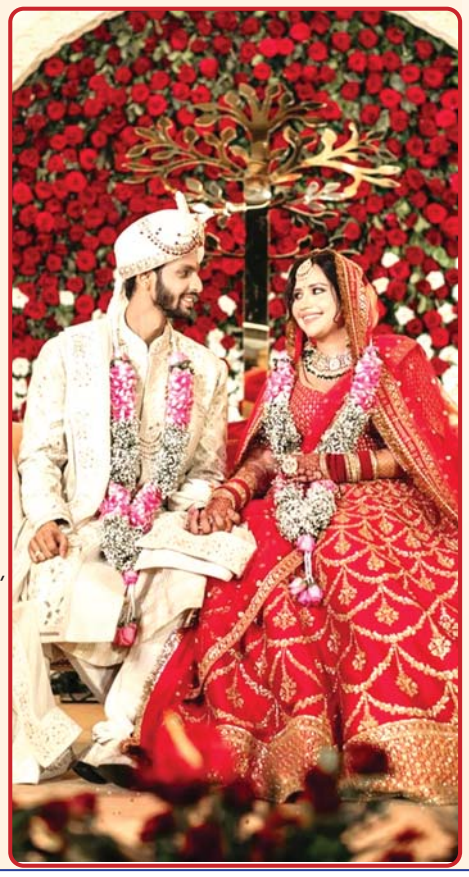

बंद नाक को खोलने के कारगर उपाय

भाप लेने के फायदे : सर्दी-जुकान हो या बंद नाक भाप लेना हमेशा कारगर होता है। ये एक ऐसा नेचुरल तरीका है जिसकी मदद से फेफड़े ही नहीं पूरे श्वसन तंत्र की सफाई हो जाती है। बंद नाम और खांसी में तो एक्पर्ट इसे करने की सलाह तो देते ही हैं लेकिन, आपको सर्दियों में फेफड़ों को हेल्दी रखने के लिए इसे हफ्ते में दो बार करना चाहिए। अब आप सोच रहेंगे होंगे कि बिना सर्दी-जुकाम के हम भाप क्यों लें। इसके सेहत के लिए क्या फायदे हैं। तो, समझते हैं फेफड़ों के लिए भाप लेने के फायदे।

भाप लेने से फेफड़ों को मिलता है आराम

भाप लेना फेफड़ों को साफ करने और इन्हें आराम देने की एक थेरेपी हो सकती है। इसे मेडिकल टर्म में स्टीम इनहेलेशन कहते हैं जिसके जरिए कई फेफड़ों की बीमारियों में राहत महसूस हो सकती है। जैसे कि कफ एंड कोल्ड में, कंजेशन में, साइनस में और फिर अस्थमा व ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों में जिसमें श्वसन पथ में संक्रमण हो जाता है और सांस लेने में दिक्कत होती है।

खाना पचाने में कितना समय लगता है,

सर्दी-जुकाम न होने पर भी क्यों लें भाप ?

सर्दी-जुकाम न होने पर भी आपको भाप इसलिए लेना चाहिए क्योंकि भाप लेने से फेफड़ों तक गर्माहट पहुंचती है और इनकी सिकाई होती है। साथ ही ये फेफड़ों में जमा बलगम को भी पिघलाने में मदद करता है और इसे पिघलाकर बाहर नकालता है। इतना ही नहीं अगर आपकी नाक ब्लॉक है तो भाप लेना चाहिए ताकि आपकी नेसल पैसेज साफ हो जाए और फिर सांस लेने पर आप बेहतर महसूस करें।

फेफड़ों के लिए भाप लेने के फायदे

इसके अलावा कंजेशन का ये कारगर उपाय है। ये आपके फेफड़ों में फंसे बलगम को तोड़ता है और इसे बाहर निकालने में मदद करता है।

इन चीज़ों के सेवन से गलने लगती हैं हड्डियां, अंदर से हो जाती हैं खोखली, कहीं आप भी तो नहीं करते सेवन ?

शरीर हेल्दी तभी होगा जब आप अंदर से मजबूत होंगे। शरीर को मजबूती देने में हड्डियां भी अहम भूमिका निभाती हैं। बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों का कमजोर होना स्वाभाविक है। लेकिन आजकल के खानपान और खराब लाइफस्टाइल की वजह से युवाओं की भी हड्डियां कमजोर हो रही हैं। हड्डियों के कमजोर होने पर शरीर में दर्द, जकड़न महसूस होती है और एक समय के बाद लोग उठ-बैठ भी नहीं पाते हैं। यहां तक कि आपका शरीर महज हड्डियों का ढांचा बनकर रह जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं की आपकी हड्डियां कमजोर होने के पीछे आपकी फ़ूड हैबिट्स या आपकी डाइट हो सकती है ? सही पढ़ा आपने, ये कुछ फूड्स हैं जो आपकी हड्डियों को कमजोर बनाते हैं। ऐसे में आपकी हड्डियों को गलाने वाले खाद्य पदार्थ का सेवन आप पूरी तरह बंद कर दें। आप अपनी डाइट बेहतर करें और इन कुछ चीज़ों को भूलकर भी न खाएं। इन फूड्स को भूलकर भी न खाएं

ज्यादा कॉफी पीना- कई लोगों की आदत होती है कि सुबह आंख खुलती नहीं है कि उनकी डिमांड कॉफी की होती है। अगर आपकी भी सुबह कॉफी के बिना अधूरी है तो अपनी इस आदत को बदल लें। कॉफी में कैफीन की मात्रा बहुत होती है। यही कैफीन हड्डियों में मौजूद कैल्शियम के स्तर को घटा देता है। इसलिए अगर आप कॉफी का सेवन करते हैं तो लिमिट में करें।

ज्यादा नमक का सेवन: कुछ लोगों को खाने में नमक ज्यादा खाने की आदत होती है। यहां तक कि वो खाने में ऊपर से नमक डाले बिना नहीं रह पाते। अगर आप भी ज्यादा नमक खाते हैं तो ये बात आपके लिए जानना जरूरी है। ज्यादा नमक खाने से बॉडी से कैल्शियम यूरिन के जरिए बाहर निकल जाता है। इससे हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं।

सॉफ्ट ड्रिंक पीना- आपके लिए ये जानना जरूरी है कि ज्यादा सॉफ्ट ड्रिंक पीना भी आपकी हड्डियों को अंदर से कमजोर कर रहा है। सॉफ्ट ड्रिंक में सोडा अधिक मात्रा में होता है। ऐसे में अगर आप इसे पिएंगे तो ब्लड में कैल्शियम की मात्रा कम हो जाती है और फास्फेट की मात्रा बढ़ जाती है। इससे बोन्स को पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता है और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं।

अल्कोहल का सेवन : अगर आप अल्कोहल का सेवन करते हैं तो ये भी आपकी हड्डियों को नुकसान पहुंचाता है। अल्कोहल के सेवन कैल्शियम को अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाती है। इससे शरीर को नुकसान होता है।

केरल जाने का बना रहे हैं मन? ऐसे करें यहां घूमने की प्लानिंग

जनवरी में दो लंबे वीकेंड पड़ रहे हैं, जो यात्रीयों के लिए एक बड़ी ही अच्छा अवसर की तरह हैं. आप इन लंबी छुट्टी में घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं. भारत में कुछ ऐसे स्थान हैं जहां आप जा सकते हैं. केरल इनमें से एक है. इस स्थान को देखने का सर्वोत्तम मौसम सर्दी में होता है, इसलिए बहुत सोचने की बजाय जल्द ही टिकट करवाएं और छुट्टियों का आंनद लें. केरल में कई ऐसे सुंदर स्थान हैं. इस समय यह महत्वपूर्ण है कि आप योजना बनाएं कि आप कौन-कौन से स्थानों को कवर करेंगे और कौन-कौन से छोड़ेंगे ये हम बताएंगे. यहां है कुछ सुझाव जो आपको केरल यात्रा की योजना बनाने में मदद कर सकते हैं.

अपनी यात्रा को कोचीन से शुरू करें,

प्राचीन सम्राटियों की गलियों, फासीलिटीज, और बॉटिकल गार्डन को देखें. कोची आप ट्रेन या फ्लाइट से आ सकते हैं. थोड़ी देर आराम करने के बाद, यहां के प्रसिद्ध स्थानों की खोज करने निकलें. हालांकि केरल के अधिकांश स्थानों पर आप समुद्र तट देख सकते हैं, लेकिन कोची के मरीन ड्राइव को देखना न भूलें. इसके अलावा, सेंट फ्रांसिस चर्च और मट्टांचेरी पैलेस, बोलगट्टी पैलेस, वीरांपुझा झील भी देखने लायक स्थान हैं. मुन्नार एक ऐसा हिल स्टेशन है कि यहाँ सौंदर्य और शांति का अद्वितीय संगम देखा जा सकता है. इसलिए अगले दिन मुन्नार देखने निकलें. आप कोची से लगभग 130 किलोमीटर की यात्रा करके मुन्नार पहुंच सकते हैं. कैब्स या बस कर सकते हैं. मुन्नार आपको एक अलग दुनिया में होने का अहसास कराता है.

मुन्नार के बाद थेक्कड़ी को कवर करने का प्लान बनाएं.

पहला स्थान - पेरियार झील : थेक्कड़ी पहुंचने के बाद, सबसे पहले पेरियार झील पर जाएं. यहां आप बोट राइड का आनंद ले सकते हैं और जल में घूमते हुए नीलगायों, हाथी, और अन्य जानवरों को देख सकते हैं.

दूसरा स्थान - पेरियार नेशनल पार्क- यह एक अन्य सुंदर स्थान है जो थेक्कड़ी में देखा जा सकता है. पेरियार नेशनल पार्क पेरियार नदी के किनारे स्थित है और यहां तेंदुआ, लेओपर्ड्स, और अन्य जानवरों को देख सकते हैं.

थेक्कड़ी में एक दिन के ठहरने के बाद,

अलप्पुझा के लिए निकलें.

थेक्कड़ी से अलप्पुझा की यात्रा तकरीबन 140 किलोमीटर की है. यहां टैक्सी, बसें और हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है. अलप्पुझा की सुंदरता इतनी है कि ऐसा लगता है कि आप वाक्यिक और पोस्टर्स से एक दृश्य देख रहे हैं. अलप्पुझा को अल्लेप्पी भी कहा जाता है.

इस जगह पर हाउसबोट में ठहरने का अवसर न छोड़ें और बैकवॉटर्स का भी एक टूर लें. इस सुझाव के अनुसार, आप अलप्पुझा में अपनी यात्रा को आनंदपूर्ण बना सकते हैं और बैकवॉटर्स की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं.

पका हुआ खाना कितने घंटे के बाद नहीं खाना चाहिए ?

आज के बिजी लाइफस्टाइल के कारण हम में से अधिकांश लोग खाना पका कर फ्रिज में रख देते हैं, और फिर कई दिनों तक उसे बार बार गर्म करके खाते रहते हैं. ठंड के मौसम में तो सुबह की सब्जी को रात में खा लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तरह से बार बार गर्म करके खाने से यह हमारे शरीर के लिए कितना नुकसानदायक है. पके हुए खाने को कब तक खाया जा सकता है, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है. खाना पकाने के बाद उसे कितनी देर तक सुरक्षित खाया जा सकता है ताकि पूरा न्यूट्रिशन भरपूर मिले सके आइए जानते हैं यहां .. इस बात को लेकर काफी भ्रम भी है. सुबह का पका हुआ खाना दोपहर या शाम तक खा सकते हैं या नहीं. लेकिन आयुर्वेद के अनुसार पके हुए खाने को 2 से 3 घंटे के बाद ही खा लेकिन चाहिए. क्योंकि भोजन पकाने के लगभग 3 घंटे के बाद उसकी गुणवत्ता और पोषक तत्व खत्म होने लगते हैं. 3 घंटे के बाद खाने में बैक्टीरिया व कवक पनपने लगते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं होता है.

पके हुए खाने को 2 घंटे में खाएं

पके हुए खाने को 2 या 3 घंटे से अधिक समय तक रखने पर उसका पोषण मूल्य घटने लगता है, जिससे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. न्यूट्रिशन विशेषज्ञों के अनुसार, खाना पकाते समय उसमें कई पोषक तत्व व विटामिन्स होते हैं, जो 2 घंटे के बाद कम होने लगते हैं. इसके बाद खाने में बैक्टीरिया व फंगस तेजी से बढ़ने लगते हैं. इसलिए, न्यूट्रिशन विशेषज्ञों की सलाह है कि पके हुए खाने को 2 घंटे के भीतर ही खा लेना चाहिए, ताकि उसका पूरा पोषण लिया जा सके. इसे आप एक सप्ताह तक कर के देखें इसका फायदा आपको खुद ही समझ में आने लगेगा.

2 घंटे के भीतर खाना खाने के फायदे

खाने के सारे पोषक तत्व बरकरार रहते हैं. विटामिन्स और मिनरल्स कम नहीं होते.बैक्टीरिया व कवक कम होने का खतरा कम रहता है. फूड पॉइज़निंग नहीं होती.पाचन क्रिया अच्छी रहती है. खाना पचाने में आसानी रहती है.खाने की सुगंध और स्वाद बरकरार रहते हैं. मुंह में ताजगी महसूस होती है.

शरीर को पर्याप्त पोषण मिलता है और ऊर्जा स्तर अच्छा बना रहता है.

बागनदी वन परिक्षेत्र सड़क चिरचारी क्षेत्र से हो रही है रेत की चोरी

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव वन मण्डल के सड़क चिरचारी पिनकापार, नावागांव, भर्रीटोला, गोपालपुर, छुरिया जोब, कटेंगाटोला वन विभाग के बीट क्षेत्रों से लगातार रेत निकाली जा रही है। एक तरफ शासन रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कर रहा है, दूसरी ओर प्रशासन की उदासीनता वह कार्यवाही न होना, कहीं न कहीं रेत तस्करों से साठगांठ की ओर ईशारा कर रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजनांदगाव वन मंडल के बागनदी वन परिक्षेत्र के बीट सहित कई स्थानों से रोजाना रेत की अवैध निकासी हो रही है। सड़क चिरचारी भर्रीटोला, जोब, खोभा, छुरिया, गोपालपुर, पिनकापार, नवागांव वन अधिकारियों द्वारा रेत माफियाओं पर कोई कार्यवाही नहीं किया जाना कई संदेहों को जन्म दे रहा है।

क्षेत्र के जंगलों से लगातार रात और दिन सैकड़ों ट्रिप रेती की निकासी हो रही है। बताया जाता है कि महाराष्ट्र तथा अन्य क्षेत्रों में अधिक दाम मिलने के कारण रेत माफियाओं द्वारा (हाईवा) रेत महंगे दामों में गांव सहित अन्य क्षेत्रों में धड़ल्ले से रेत बेची जा रही है। इसके साथ ही क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को रेत, ऊंचे दाम पर बेची जा रही है। साठगांठ के चलते राजस्व और वन विभाग के अधिकारी कार्यवाही करने से बच रहे हैं। इस तरह रेत का खेल वन अफसर और रेत माफियाओं के बीच सालों से चल रहा है, परंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई हो नहीं पाई है। महज खानापूर्ति कर रेत माफियाओं को छोड़ दिया जाता है, जिससे रेत तस्करों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार इस क्षेत्र में लंबे समय से रेत का अवैध कारोबार किया जा रहा है, बागनदी क्षेत्र के बीट सहित अन्य स्थानों से रेत की तस्करी जोरों से चल रही है। साथ ही जंगलों के आसपास तथा रेत माफिया अपने गोदामों में रेत डंप कर रखते हैं। रात को बेचने के लिए रेत से भरे हाईवा को रवाना कर दिया जाता है। इस तरह छत्तीसगढ़ की रेत को रेत माफियाओं द्वारा महाराष्ट्र में अधिक दाम पर खपाया जा रहा है। यही स्थिति रही तो आगामी दिनों में जरूरतमंदों को रेत का मिलना। मुश्किल हो जाएगा और इन्हीं माफियाओं से अधिक दाम पर खरीदना पड़ेगा।

बताया जाता है कि विगत कई माह से लगातार धड़ल्ले से रेत की अवैध निकासी की जा रही है। इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को भी है। इसके बावजूद साठगांठ के चलते इन पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही हैं। कलेक्टर एवं पुलिस प्रशासन को चाहिए कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पूर्व की भांति रेत माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने अभियान चलाए।

रेत माफियाओं को मिला हुआ है वन विभाग का आशीर्वाद

खतरे में वनों का अस्तित्व

जंगलों से रेत निकालकर बेचने से जंगलों का अस्तित्व खतरे में आ गया है। वन भूमि से रेत निकालने के लिए जगह-जगह जंगलों में खाईयां बन गई हैं। इससे पेड़-पौधों को क्षति पहुंच रही है। खुदाई के दौरान कई पेड़ जड़ों के कट जाने से सूख रहे हैं। वहीं ट्रैक्टर ट्रालियों के आवागमन से भी वन संपदा प्रभावित हो रहे है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत मोबाईन वेन छुरिया के ग्राम पंचायतों में पहुंची

जिपं सीईओ अमित कुमार ने दी शासन की योजनाओं की जानकारी

छुरिया (दावा)। भारत सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता लाने तथा योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत् मोबाईन वेन विकासखंड छुरिया के सभी ग्राम पंचायतों में पहुंच रही है।

इसी क्रम में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत् मोबाईल वेन आज 8 जनवरी को ग्राम पंचायत-आयबांधा, साल्हे, भर्रीटोला पैरी एवं केशोटोला पहुंची। इस अवसर पर अमित कुमार (आईएएस), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत राजनांदगांव विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनायें आम जनता के लिये बनती है। विकसित भारत संकल्प यात्रता के मोबाईल वेन के माध्यम से केन्द्र शासन की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणजनों को मिल रही है। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं है, वे आवेदन लेकर शासन की योजनाओं का लाभ संबंधित विभागीय योजनाओं से लाभ जरूर लें। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, खाता विभाजन व फौत नामांतरण, मत्स्य पालन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना संबंधी शासन की योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को अवगत कराया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत-राजनांदगांव ने विभागीय स्टॉल का अवलोकन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद-भराई अंतर्गत कुपोषण कीट प्रदान किया गया तथा बच्चों का अन्न-प्रासन्न किया गया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा हर ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर ग्रामवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ लें तथा पात्र हितग्राही कोई भी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। वेन के माध्यम से प्रधानमंत्री जी का संदेश वाचन किया गया और चलचित्र के माध्यम से विकसित भारत के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। वेन के माध्यम से ऑनस्पॉट क्विज प्रतियोगिता में स्कूली छात्र-छात्राओं, ग्रामीणों द्वारा भाग लिया गया। विजेताओं को टी-शर्ट व टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। मेरी कहानी मेरी जुबानी अंतर्गत केन्द्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव अध्यक्ष जनपद पंचायत-छुरिया, एमडी.ठाकुर, चंद्रिका डड़सेना जिला उपाध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि, हिरेन्द्र साहू जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा, कैलाश शर्मा जिला भाजपा महामंत्री, दयालदास साहू भाजपा प्रतिनिधि, संजय कुमार सिन्हा महामंत्री भाजपा मंडल छुरिया, श्रीमती मीना पुजेरी सदस्य जनपद पंचायत छुरिया, ग्राम पंचायत सरपंच, उपसरपंच, पंचगण, ग्राम पटेल, ग्रामीणजन एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा एस.के.ओझा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत छुरिया, श्रीमती कमलावती मरकाम, रचिता रेड्डी परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी/कर्मचारी व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता शिविर में एक दूसरे को निकट से समझने एवं जानने का मिलता है अवसर - उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

० उच्च शिक्षामंत्री अग्रवाल राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में हुए शामिल
० 14 राज्यों के एनएसएस के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और दिखाया अपना कौशल

राजनांदगांव (दावा)। उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल विगत दिनों अपने प्रवास के दौरान स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, सोमनी राजनांदगांव में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में शामिल हुए।

इस अवसर पर मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में एक दूसरे को निकट से समझने एवं जानने का अवसर मिलता है वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है।

उल्लेखनीय है कि युवा भारत-सशक्त भारत, विकसित भारत थीम पर आधारित शिविर का आयोजन स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, सोमनी राजनांदगांव में हुआ जिसमे देश के 14 राज्यों के एनएसएस के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपना कौशल दिखाया। इस अवसर पर पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, सचिव सामान्य प्रशासन एवं वित्त आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग श्रीमती शारदा वर्मा, कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग डॉ. अरूणा पल्टा, उप कार्यक्रम सलाहकार एवं क्षेत्रीय निदेशक एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल डॉ. अशोक कुमार श्रोती, कुल सचिव हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग डॉ. भूपेंद्र कुलदीप, कार्यक्रम समन्वयक हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग डॉ. आरपी अग्रवाल, राज्य एनएसएस अधिकारी उच्च शिक्षा विभाग डॉ. नीता बाजपेयी उपस्थित थी।

राज्यपाल से सौजन्य भेंट करने पहुंचीं कुलपति डॉ. ममता चंद्राकर

खैरागढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल तथा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति विश्वभूषण हरिचंदन से 7 जनवरी को राजभवन में विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ की कुलपति पद्मश्री डॉ. मोक्षदा (ममता) चंद्राकर ने भी सौजन्य भेंट की। उल्लेखनीय है कि बीते हफ्ते महामहिम की धर्मपत्नी तथा प्रदेश की प्रथम महिला सुप्रभा हरिचंदन निजी प्रवास पर खैरागढ़ पहुंचीं थीं। इस दौरान कुलपति डॉ.चंद्राकर ने राज्यपाल हरिचंदन से भेंट की। इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव प्रो.डॉ.नीता गहरवार भी उपस्थित थीं।

श्री मिथिलाधाम मंदिर में मोनी बाबा के निर्देशन पर असंख्य मात्रा में राम ज्योति दीप प्रज्जवलित होगी-अशोक चौधरी

राजनांदगांव (दावा)। श्री गणेश हनुमान मंदिर मिथिला धाम के संयोजक अशोक चौधरी ने बताया कि भगवान राम के स्थापना के अवसर पर दिनांक 22 जनवरी को श्री मिथिला धाम मंदिर में मोनी बाबा के निर्देशन पर राम ज्योति दीप असंख्य मात्रा में जलाया जाएगा।

इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा राम नाम संकीर्तन के साथ लड्डू मिष्ठान का वितरण किया जाएगा मंदिर के महंत पंचानन महाराज द्वारा बताया गया कि भारत में रामलला को विराजमान करने के लिए पिछले 500 वर्ष से संघर्ष चल रहा था। आज यह शुभ अवसर आया है कि हम लोग रामलला के विराजमान होने के दृश्य अपने आंखो से देखने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर पूरे देश में दिवाली की तरह हर घरों में रोशनी की जाएगी एवं दिए जलाए जाएंगे इसी उपलक्ष्य में श्री गणेश हनुमान राम जानकी मंदिर मिथिला धाम में संकीर्तन किया जाएगा एवं मिठाई का प्रसाद वितरण किया जाएगा। राजनांदगांव के धर्मप्रेमी जनता से आग्रह है कि प्रसाद ग्रहण करने के लिए संध्या 7 बजे मंदिर प्रांगण में उपस्थित होकर खुशी के वातावरण का आनंद उठाएंगे।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई... युवक की मौत

राजनांदगांव(दावा)। ग्राम आरला के निकट एक तेज रफ्तार बाईक के पेड़ से टकराने पर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना शनिवार रात के 10 बजे की बताई जाती है। सुरगी चौकी पुलिस ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उनके चौकी क्षेत्र के ग्राम भोथीपार निवासी रेखाला साहू 33 वर्ष शनिवार की रात अपनी बाइक से सांकरा सिस्थत एक ट्रांसपोर्टर कार्यालय से काम से लौट रहा था। जैसे ही वह आरला स्कूल मैदान के पास पहुंचा तो उसकी बाईक अनियंत्रित हो गई और समीप के पेड़ से जा टकराई। इससे रेखलाल के सिर पर गंभीर चोटे आई थी। जिससे उसकी मौत हो गई। चौकी प्रभारी पुरूषोत्तम ध्रुव ने घटना के सम्बंध में मर्ग कायम कर आगे की जांच में ले लिया है।

कलेक्टर और एसपी ने दिग्विजय स्टेडियम का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव का निरीक्षण किया। उन्होंने दिग्विजय स्टेडियम में साफ-सफाई और आवश्यक मरम्मत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने दिग्विजय स्टेडियम में मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों से मुलाकात की। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के एसडीओ पी.के. सिंघानिया, सहायक अभियंता राजेश साहू, प्रबंधक दिग्विजय स्टेडियम रणविजय सिंह उपस्थित थे।

कवि बंशीलाल जोशी जी नहीं रहे, साहित्यकारों में शोक व्याप्त... दी गई श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (दावा)। सिंघोला निवासी वरिष्ठ कवि एवं सांहित्यकार बंशीलाल जोशी जी नहीं रहे। लगभग 84 वर्ष उम्र के जोशी काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका देहावसान सोमवार सुबह उनके गृह ग्राम सिंघोला में हुआ।

कविता के साथ-साथ गद्य लेखन में माहिर जोशी जी मां भानेश्वरी के परम भक्त थे। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। जोशी जी को मुखाग्नि उसके जेष्ठ पुत्र दिनेश जोशी ने दी। सांकेत साहित्य परिषद के ओमप्रकाश साहू अंकुर ने बताया कि साहित्यिक आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने वाले जोशी जी के निधन से अंचल के कवि साहित्यकारो में शोक व्याप्त है। श्री जोशी जी की रचनाएं प्रायः दैनिक 'दावा' में प्रमुखता से प्रकाशित होते रहती थी।

छत्तीसगढ़ सहित्य समिति के अध्यक्ष आत्माराम कोशा 'अमात्य', कुबेर साहू, विरेन्द्र तिवारी 'वीरू', महेन्द्र बघेल 'मधु' आदि ने कहा कि जोशी की रचनाएं , देशप्रेम राष्ट भावना से भीगी रहती थी। उनका 'सूर्य कहूं या दीप' काव्य संग्रह ने काफी ख्याति अर्जित की थी। वे अपने अंतिम समय तक साहित्य लेखन में सक्रिय रहे। अस्वस्थता के चलते उनका दूसरा काव्य संग्रह प्रकाशित होने से रह गया। जोशी जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दैनिक दावा के सम्पादक दीपक बुद्धदेव सहित कवि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दादूलाल जोशी, प्रो.रात्रे, बी.एस. मंडावी, लखनलाल साहू 'लहर' शेर सिंह गोड़िया, दीपक ठाकुर, राजकुमार चौधरी, कुलेश्वर साहू, फकीर साहू, शिवप्रसाद जोशी, ग्वाला प्रसाद, रमेश मंडावी, पवन यादव 'पहुंना', आनंद राम सार्वा, रौशन साहू राम कुमार चंद्रवंशी आदि कवि साहित्यकारों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

जिला सतनामी समाज ने दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (दावा)। जिला सतनामी सेवा समिति पं.क्र. 5041 जी.ई. रोड, राजनांदगांव के आजीवन सदस्य, साहित्यकार, वयोवृद्ध लेखक, शिक्षाविद, सहज सरल स्वभाव के धनी बंशीलाल जोशी का दिनांक 8 जनवरी का निधन हो गया है। जिला सतनामी सेवा समिति के अध्यक्ष सूर्य कुमार खिलारी ने जोशी जी के निधन को समाज के लिए अपूर्णीय क्षति बताई। जिला सतनामी सेवा समिति के संरक्षकगण धनेश पाटिला, रामजी भारती, चैनदास बांधव, सरोजनी बंजारे, हर्षिता स्वामी बघेल, पी.आर. देशलहरा, नेतराम देशलहरा, लोकनाथ भारती, शोभाराम बघेल, जी.पी. रात्रे, साहित्य के क्षेत्र में देवचंद बंजारे, पी.डी. सोनकर, दादूलाल जोशी द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर संवेदना व्यक्त की। उक्त जानकारी जिला सतनामी सेवा समिति के मीडिया प्रभारी ने दी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com